कोलफील्ड मिरर

CFM 24x7 COALFIELD MIRROR — हर पल आपके साथ

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता	बुधवार 29 जनवरी 2025	वर्ष– 8	अंक– 1266	पृष्ठ– 6	RNI (TA)- 2022027633

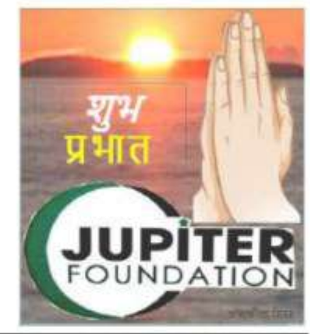

सीएफएम ने एडीपीसी के पुलिस अधिकारियों को किया सम्मानित

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (आसनसोल): वर्ष 2024, शांतिपूर्वक और आनंदमय माहौल में गुजरा है और इसका काफी हद तक श्रेय, आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट को जाता है. गुजरे वर्ष में सभी परब त्यौहार हर्षोल्लास से मनाए गए, इसके अलावा, कई बड़े कार्यक्रम, उत्सव और चुनाव सम्पन्न हुए. जिसे आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट की पुलिस ने काफी सक्रियता और तत्परता के साथ सरल बनाने में हमारी मदद की.

आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट की इसी निष्ठा और परिश्रम को देखते हुए कोलफील्ड मिरर (सीएफएम न्यूज) ने सभी थाना-फाड़ी एवं ट्रेफिक पुलिस के प्रभारियों समेत पुलिस अयुक्त को सम्मानित कर तहे दिल से शुक्र अदा किया.

उल्लेखनीय है कि आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट की स्थापना वर्ष 2011 में हुई थी और तब से अबतक लगभग 13 वर्षो मे पुलिस और जनता के बीच एक मधुर सम्बन्ध स्थापित हो चुका है. चूंकि एडीपीसी की पुलिस ने अनेकों सामाज मूलक कार्य किए है जिससे आम लोगों में पुलिस को लेकर जो हिचक थी वो अब नहीं रही है. इसलिए एडीपीसी अंतर्गत रहने वाले लोग अपनी समस्याओं को लेकर बेझिझक पुलिस के पास जाते है, और उनकी समस्याओं को पुलिस सुनती एवं हल भी करती है.

साथ ही सभी तरह के सामाजिक कार्यो के अलावा अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने और कई अपराधिक मामलों की त्वरित उद्भेदन करने में भी यहां की पुलिस सफ़ल रही है.

इसके अलावा यहां के लोगों की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए कई मोबाइल एप्लीकेशन की इजाद की गई. समय समय पर यातायात जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए जिससे दुर्घटनाओं मे कमी आई है.

आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट हर क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन कर रही हैं. जिसका लाभ यहां की जनता को मिल रहा है.

बंगाल में रहस्यमयी बिमारी गुइलेन बर्रे सिंड्रोम से एक की मौत

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (कोलकाता): बंगाल में गुइलेन बर्रे सिंड्रोम से एक किशोर की मौत हो गई है। उत्तर 24 परगना जिले के आम डांगा निवासी 17 वर्षीय अरित्रा मंडल की 27 तारीख को इस रहस्यमयी बीमारी से मौत हो गई। वह कई दिनों से गुइलेन बर्रे सिंड्रोम से पीड़ित था। उसे 23 जनवरी को नील रतन सरकार मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। मृत्यु प्रमाण पत्र में मौत का कारण गुइलेन बर्रे सिंड्रोम बताया गया है।

महाराष्ट्र के पुणे में गुलियन-बैरे सिंड्रोम नामक इस बीमारी के कारण एक शख्स की मौत हो चुकी है और इस रहस्यमयी बीमारी ने चिंता बढ़ा दी है। अब पश्चिम बंगाल में एक किशोर की मौत से हर कोई इस खौफ में हैं। केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र में विशेषज्ञों की सात सदस्यीय टीम तैनात की है।

टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, पुणे में एक 41 साल के चार्टर्ड अकाउंटेंट की पहली मौत गुलियन-बैरे सिंड्रोम से हुई है। महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि 25 जनवरी को गुलियन-बैरे सिंड्रोम से (जीबीएस) के प्रकोप से चार्टर्ड अकाउंटेंट की पहली मौत हुई है।

गुलियन-बैरे सिंड्रोम एक दुर्लभ बीमारी है, जिसमें अचानक सुन्नता और मांसपेशियों में कमजोरी हो जाती है। हाथ पैरों में गंभीर कमजोरी जैसे लक्षण भी होते हैं। गुलियन-बैरे सिंड्रोम एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से परिधीय तंत्रिका तंत्र पर हमला करती है। इस स्थिति से कमज़ोरी, सुन्नता और गंभीर मामलों में पक्षाघात हो सकता है। हालाँकि जीबीएस किसी को भी प्रभावित कर सकता है, लेकिन इसका सटीक कारण अज्ञात है.

इस बीमारी के लक्षण आमतौर पर अचानक दिखाई देते हैं और कुछ दिनों या हफ़्तों में तेज़ी से बढ़ सकते हैं। आम लक्षणों में कमज़ोरी और झुनझुनी शामिल है जो अक्सर पैरों से शुरू होती है और हाथों और चेहरे तक फैल सकती है। इससे पीड़ित लोगों को चलने में भी कठिनाई होती है। अनियमित हृदय गति, रक्तचाप में उतार-चढ़ाव और गंभीर मामलों में सांस लेने में कठिनाई, जिसकी गंभीर अवस्था में पक्षाघात भी सकता है।

बांग्ला लघु फिल्म "सुधु मोने रेखो" के लिए डॉ. शुद्धसत्व चट्टोपाध्याय को मिला श्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (खड़गपुर): अगर आप सपना देखते हैं, तो इसे लगन से पूरा भी किया जा सकता है। डॉक्टर डॉ. शुद्धसत्व चट्टोपाध्याय ने इसे अक्षरश: सच साबित किया। विशुद्ध रूप से चटोपाध्याय एक बहुत ही कुशल रुमेटोलॉजिस्ट और जनरल चिकित्सक हैं, जिन्हें रुमेटोलॉजी में 15 साल से अधिक का अनुभव है। वर्तमान में अपोलो मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल में डॉक्टर हैं। भले ही वह एक पेशेवर डॉक्टर है, पर कविताएँ और यात्रा वृतांत भी बखूबी लिख सकते हैँ। अब वे एक लघु फिल्म निर्देशक भी हैं। हाल में उन्होंने एक छोटी फिल्म "सुधु मोने रेखो" बनाई।

एक शाम रोगी के परिवार में एक दुर्घटना हुई। एक डॉक्टर की पत्नी को सिर पर चोट लगी और अस्थायी स्मृति खो गई। फिर रिश्ते को बचाने की लड़ाई शुरू हो गई। यह लड़ाई भावनात्मक है, यह लड़ाई सामाजिक है। .निर्देशक ने इस तरह की पटकथा के साथ कठिन सच्चाई को सामने लाने की कोशिश की। जहां उन्होंने अभिनय किया, मानसी सिन्हा, फालगुनी चट्टोपाध्याय, लाल्तू दास और सौगाटा बसु ने 26 जनवरी, 2012 को, आईकेएसएफ (अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता लघु फिल्म महोत्सव) को छठे कोलकाता माइक्रो फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ फिल्म निर्देशक से सम्मानित किया गया।

उन्होंने बताया कि यह लघु फिल्म डॉक्टरों की एक और तस्वीर है। डॉक्टर के बारे में एक और शैली बताई गई है। यहां डॉक्टर अपनी मन: स्थिति से लड़ रहे हैं और जटिल परिस्थितियों से जूझ रहे हैं। जिस कहानी में दर्द, प्यार, मस्ती और वास्तविकता सब कुछ है। लघु फ़िल्म में इसका बड़ी खूबसूरती से रेखांकन किया गया है।

ईएसएसईआर के अपशिष्ट मिले पानी में गिरने से दो मजदूरो की मौत

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (कांकसा): निजी गैस निष्कर्षण कंपनी ईएसएसईआर के अपशिष्ट मिले पानी में गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल है. स्थानीय लोग सुरक्षा में लापरवाही के बारे में मुखर होकर शिकायत कर रहे हैं। मृतक दोनों युवकों के नाम आकाश बाद्यकर (25), कांकसा निवासी और अनूप सरकार (26) मालदा निवासी हैं। गंभीर हालत में दो अन्य युवकों को पहले दुर्गापुर के शोभापुर से सटे निजी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया और फिर उन्हें विधान नगर के निजी मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह अन्य दिनों की तरह युवक दुर्गापुर थाना अंतर्गत पारुलिया स्थित ऑल इंडिया प्राइवेट गैस एक्सट्रैक्शन कंपनी के पिट नंबर 242 में काम पर आया था। गैस रिसाव के बाद पांच ठेका श्रमिक अचानक कचरे से भरे पानी में गिर गए। जब उनके सहकर्मियों ने उन्हें देखा तो उन्होंने तुरंत निकाला। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें शोभापुर के निकट निजी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। हालत बिगड़ने पर आकाश बाद्यकर और अनूप सरकार को विधान नगर स्थित मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। दो अन्य युवकों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

संतू रॉय ने आरोप लगाया, "गैस निकालने वाली कंपनी की लापरवाही के कारण आज दो मजदूरों की जान चली गई। हम अधिकारियों से सजा की मांग कर रहे हैं। मजदूरों को पहले भी कई बार परेशानियों का सामना करना पड़ा है। एक बार फिर, हमारे पड़ोस के और मालदा के श्रमिक को मौत का सामना करना पड़ा। यह घटना क्यों हुई? "इसका जवाब कंपनी के अधिकारियों को देना होगा।"

गैस निष्कर्षण कंपनी के प्रबंधक सुकांत रॉय ने कहा, "यह एक दुखद घटना है। हमने सुना है कि दो लोगों की मौत हो गई है। हम हर तरह से मृतक श्रमिकों के परिवारों के साथ खड़े हैं।

बीजेपी का कहना है कि टीएमसी जल्द ही बिखर जाएगी

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (कोलकाता): आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले के उजागर होने के बाद जैसे ही टीएमसी बैकफुट पर आई, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पार्टी नेतृत्व वाले डॉक्टर्स एसोसिएशन को भंग कर दिया.

साथ ही राज्य मंत्री डॉ. शशि पांजा के नेतृत्व में प्रोग्रेसिव हेल्थ एसोसिएशन नाम से एक नया संगठन शुरू कर दिया गया. ऐसा माना जा रहा है यह ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के बीच खींचतान है. वहीं इस पर बीजेपी का कहना है कि यह ममता बनर्जी का नया ड्रामा है, टीएमसी जल्द ही बिखर जाएगी.

दरअसल टीएमसी आरजीकर घटना के बाद जूनियर डॉक्टरों पर गुस्से में थी. जूनियर डॉक्टरों ने जिस तरह से ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग करते हुए चप्पल मारो, गद्दी से उतारो के नारे लगाए, जिससे सरकार गुस्से में थी. लेकिन इस अपमान के बाद भी अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी ने डॉक्टरों के खिलाफ एक भी शब्द नहीं बोला.

दूसरी ओर अभिषेक बनर्जी ने डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र में अपना स्वास्थ्य शिविर शुरू किया. अभिषेक के नेतृत्व वाले स्वास्थ्य शिविर में भारी प्रतिक्रिया ने डब्ल्यूबी स्वास्थ्य सेवा सस्थो साथी या दुआरे सरकार को अलग कर दिया. पश्चिम बंगाल की महिला एवं बाल स्वास्थ्य मंत्री डॉ. शशि पांजा ने इस स्वास्थ्य संघ का गठन किया.

उन्होंने दावा किया कि टीएमसी के तहत सभी स्वास्थ्य संगठन भंग हो गए हैं और केवल पीएचए ही काम करेगा. उन्होंने कहा कि आरजीकर जूनियर डॉक्टरों के विरोध का मुकाबला करने और चिकित्सा क्षेत्र के साथ ब्रिज पार्टी बनाने के लिए एसोसिएशन का निर्माण किया गया है.

दूसरी ओर, बीजेपी राज्यसभा सांसद समिक भट्टाचार्य ने कहा कि, टीएमसी पहले ही टूट चुकी है. साथ ही उन्होंने कहा कि 2024 से पहले ही टीएमसी में दरार बढ़ गई है. क्योंकि जैसे ही अभिषेक बनर्जी ने अपना स्वास्थ्य शिविर लगाया, ममता ने अपना स्वास्थ्य संघ क्यों लॉन्च किया?

अनुरुपा कुंडू, विनय दास चौधरी और महामाया बेरा स्मृति फुटबॉल प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया कमाल

अमितेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (खड़गपुर): स्वर्गीय अनुरुपा कुंडू व बिनॉय दास चौधरी मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट सम्पन्न हो गई। अंडर -15 लड़कों की आठ टीमों की प्रतियोगिता खड़गपुर शहर के नीमपुरा मैदान में आयोजित की गई थी।

मानिकपारा विवेकानन्द विद्यापीठ ने मानिकपारा फुटबॉल अकादमी को टाईब्रेकर में हराकर जीत हासिल की। एकेडमी के सुमन हांसदा फाइनल में सर्वश्रेष्ठ रहे। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ विद्यापीठ के वीरसिंह मुर्मू रहे। 27 जनवरी को इसी मैदान में अष्टदलीय अनुरूपा कुंडू और महामाया बेरा स्मृति महिला फुटबॉल चैम्पियनशिप का आयोजन हुआ। फाइनल में आदिवासी महिला फुटबॉल अकादमी, सांकराइल ने न्याग्राम थाना गर्ल्स विद्यालय को 2-0 से हराया। मेदिनीपुर स्पोर्ट्स डेवलपमेंट अकादमी खड़गपुर शाखा और नीमपुरा फुटबॉल कोचिंग कैंप के सहयोग से अमितेश कुंडू सुमंत बेरा और बिप्लब दास चौधरी द्वारा दो टूर्नामेंट आयोजित किए गए थे।

गणतंत्र दिवस पर झांझरा को फिर एक नंबर बनाने का संकल्प

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (पांडवेश्वर): ईसीएल झांझरा क्षेत्र और कोलियरियों में धूमधाम और हर्षौल्लास के साथ मना 76वां गणतंत्रत दिवस क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में क्षेत्र के महाप्रबंधक आरसी महापात्रा ने तिरंगा फहराने के बाद सुरक्षा प्रहरियों के परेड का निरीक्षण किया, ईसीएल सीएमडी सतीश झा की ईसीएल परिवार के लिए दिया गया गणतंत्र दिवस संदेश को उपस्थित कर्मियों और अधिकारियों को सुनाया और कहा कि कभी भूमिगत खदान के रूप में झांझरा एक नंबर रहता था लेकिन आज हमलोग पीछे चल रहे है, लेकिन आने वाले समय ईसीएल और झांझरा का होगा, इसलिए इस पावन गणतंत्र दिवस पर हमलोग संकल्प ले की कोयला उत्पादन में झांझरा को एक नंबर बनाएंगे, इस मौके पर झांझरा क्षेत्र के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे,

हुड़ा प्रखंड में पहली बार हुड़ा पुस्तक मेले का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (पुरुलिया): हुड़ा प्रखंड में पहली बार आयोजित हुड़ा पुस्तक मेले का उदघाटन मंगलवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ पश्चिम बंगाल सरकार के पश्चिमी क्षेत्र विकास विभाग की मंत्री संध्यारानी टुडू ने किया। मौके पर पुरुलिया जिला परिषद की अध्यक्ष निवेदिता महतो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। जबकि पुरुलिया सदर के महकमा शासक उत्पल कुमार घोष और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। यह पुस्तक मेला 28 जनवरी से 31 जनवरी तक चलेगा। इस मेले में स्थानीय एवं कोलकाता क्षेत्र के कई स्टॉलों ने अपनी पुस्तकें प्रस्तुत कीं।

इस मेले को लेकर स्थानीय निवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। मेला समिति के संयोजक प्रसेनजीत महतो ने बताया कि वे इस मेले को सफल बनाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मेला सभी के सामूहिक प्रयास से सफल होगा। उन्होंने सभी को इस मेले में आने का निमंत्रण दिया।

छात्रों ने प्रतिभा, संस्कृति और शिक्षा को लेकर अपनी प्रतिभा का किया शानदार प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (कोलकाता): सरस्वती वर्ल्ड स्कूल ने अपने स्कूल परिसर में बहुप्रतीक्षित वार्षिक कार्यक्रम 'ऊर्जा 2025' का आयोजन किया। जिसमें स्कूल से जुड़ी शैक्षणिक उपलब्धियों, कलात्मक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक जीवंतता का एक उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के विभिन्न क्षेत्र से जुड़ी प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हुए। जिसमें प्रमुख शैक्षिक नेता, अभिभावक, संकाय सदस्य और छात्र मौजूद थे।

समारोह की शुरुआत एक भावपूर्ण स्वागत भाषण के साथ हुई। जिसके बाद एक परिचयात्मक संबोधन और ज्ञान और बुद्धि के प्रकाश का प्रतीक एक औपचारिक दीप-प्रज्वलन हुआ। अध्यक्ष विक्रांत सिंह (उपाध्यक्ष), विनोद सिंह और निदेशक (स्नेहा सिंह) सहित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथियों में प्रख्यात पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता विश्वजीत मुखर्जी और प्रतिष्ठित शोधकर्ता और लेखक देबाशीष मुखोपाध्याय की उपस्थिति ने इस अवसर को और भी गौरवान्वित कर दिया, जिन्होंने शिक्षा में बौद्धिक गतिविधियों के महत्व और संधारणीय प्रथाओं पर विचारोत्तेजक भाषणों से श्रोताओं को प्रेरित किया।

इस मौके पर प्रधानाचार्य श्यामाश्री विस्वास ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें पिछले वर्ष संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों, मील के पत्थरों और प्रगति पर प्रकाश डाला गया। अध्यक्ष के संबोधन ने युवा मस्तिष्कों के भविष्य को आकार देने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को और भी रेखांकित किया।

इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण वाइस चेयरमैन विनोद सिंह की नई पुस्तक "स्कूल एजुकेशन इन इंडिया इन 2024" का विमोचन था। यह पुस्तक में शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति विद्यालय की अटूट प्रतिबद्धता और शिक्षा क्षेत्र में इसके निरंतर योगदान को दर्शाती है।

इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की एक रोमांचक श्रृंखला प्रस्तुत करते हुए छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित किया गया जिसमें: शिव तांडव, नारी शक्ति, अच्युतन केशवम, विवेकानंद-थीम वाली प्रस्तुति, शिक्षा का मूल्यांकन और राम की दया, ब्लैक एंड व्हाइट युग के नृत्य अनुक्रम, स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह नृत्य नाटक और देशभक्ति और वीरता का एक शक्तिशाली चित्रण प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनी।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के एक भावपूर्ण गायन के साथ हुआ, जिसने दर्शकों को एकता और देशभक्ति की स्थायी भावना से भर दिया।

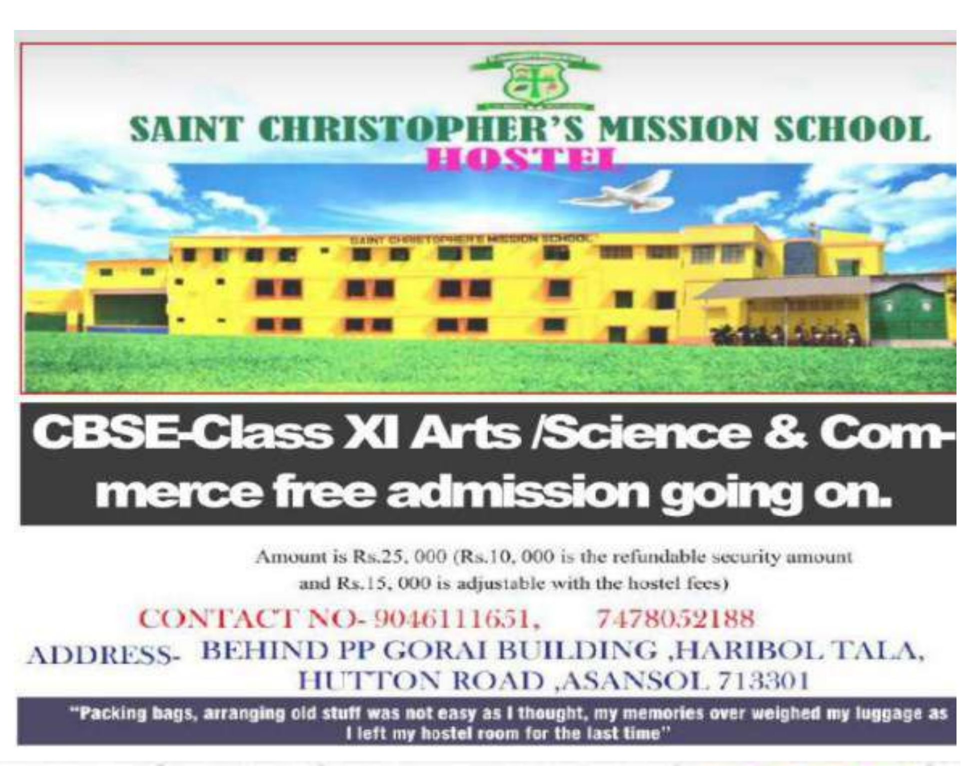

एजेंट कार्यालय के समक्ष महिलाओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (जामुड़िया): ईसीएल केंदा एरिया अंतर्गत न्यू केंदा कोलियरी एजेंट कार्यालय के समक्ष केंदा ग्राम बचाव कमिटी के बैनर तले महिलाओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रदर्शन में शामिल महिलाओं द्वारा एजेंट कार्यालय को बंद कर पांच घंटों तक विरोध प्रदर्शन किया गया। जानकारी मिलने के बाद न्यू केंदा ग्रुप ऑफ माइनस के एजेंट प्रदीप विश्वास द्वारा पहुंच काफी समझा बुझा आक्रोशित महिलाओं को शीघ्र समस्या के समाधान का आश्वाशन दिया गया, जिसके बाद

आंदोलन समाप्त हुआ।

घेराव प्रदर्शन में शामिल महिलाएं पिंकी बाउरी, मिली बाउरी, पूर्णिमा रूईदास, लखी रूईदास आदि ने बताया कि घर के पास न्यू केंदा ओसीपी होने के कारण आए दिन ब्लास्टिंग से घर क्षतिग्रस्त हो रहा है, लेकिन ईसीएल प्रबंधन लोगों को पुनर्वासित करने में टाल बहाना कर रही है। वही केवल लोगों को भ्रमित करने के लिए सर्वे का काम चलाया जा रहा है जबकि परिणाम कुछ भी नहीं निकल रहा है। उन्होंने कहा कि ईसीएल प्रबंधन के खिलाफ अपने हक के लिए आंदोलन करने वालों को भय दिखाने के लिए झूठे मुकदमें में फंसाया जा रहा है। वही ईसीएल प्रबंधन जब तक भू धसान प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर पुनर्वासित नहीं करती है आंदोलन जारी रहेगा।

इसलिए कोयला उत्पादन में सभी सहयोग करे

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (पांडवेश्वर): ईसीएल की बड़ी परियोजना में से एक सोनपुर बाजारी क्षेत्र में 76वां गणतंत्रत दिवस हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया, क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में क्षेत्र के महाप्रबंधक आनंद मोहन गांधी शैली में तिरंगा फहराने के बाद के सीएमडी का गणतंत्र दिवस संदेश को उपस्थित अधिकारियों कर्मियों को सुनाया और सोनपुर बाजारी क्षेत्र के कोयला उत्पादन में चालू वित्तीय वर्ष में भी अग्रणीय रखने में सभी के सहयोग की अपील किया और कहा कि सोनपुर बाजारी प्रबंधन अपने खनन क्षेत्र के आसपास के ग्रामीणों को कंपनी के दिशा निर्देश अनुसार सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रही है और जो भी जायज मांगे होगी कंपनी उसे अवश्य पूरा करेगी, इसलिए कोयला उत्पादन में सभी सहयोग करे कंपनी भी स्थानीय मुद्दों को सुलझाने की दिशा में कार्य करती रहेगी, इस अवसर पर सोनपुर बाजारी क्षेत्र के अधिकारी, मजदूर संगठनों के प्रतिनिधि और कर्मी उपस्थित थे

आसनसोल के केबिन मास्टर गौरव मंडल पुरस्कार से सम्मानित हुए

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (आसनसोल): स्टेशन प्रबंधक के अधीन कार्यरत केबिन मास्टर मोहम्मद नजमूल होदा ने असाधारण सतर्कता और त्वरित निर्णय का प्रदर्शन करते हुए 7 दिसंबर, 2024 को संभावित ट्रेन दुर्घटना को टाल दिया।

16:00-24:00 बजे की अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद मोहम्मद होदा लाइन नंबर 06 के पास प्लेटफॉर्म नंबर 06 से घर लौट रहे थे, तभी उन्होंने ट्रेन नंबर 12311 अप के प्रस्थान के दौरान एक असामान्य आवाज सुनी।

स्थिति की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने तुरंत 00:58 बजे घटनास्थल का निरीक्षण किया और किमी 212/5-7 पर रेल फ्रैक्चर की पहचान की। दबाव में शांत रहते हुए मोहम्मद होदा ने तुरंत पीए को खराबी की सूचना दी, जिससे त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हुई। रेल पथ निरीक्षक (पीडब्लूआई) और उनकी टीम ने खराबी को दूर किया और ट्रैक को 02:10 बजे परिचालन के लिए फिट घोषित किया।

अपनी सतर्कता और कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से मोहम्मद होदा ने संभावित दुर्घटना को रोकने, यात्रियों और रेलवे की संपत्तियों की सुरक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके अनुकरणीय प्रयासों को मान्यता देते हुए उन्हें दिसंबर, 2024 के लिए प्रतिष्ठित गौरव मंडल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

साहस से भरा यह कार्य ट्रेन संचालन की संरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में रेलवे कर्मचारियों के समर्पण और व्यावसायिकता को उजागर करता है। मोहम्मद नजमूल होदा का असाधारण योगदान आसनसोल मंडल में उनके सहयोगियों के लिए प्रेरणा का काम करेगा।

केनरा बैंक जामुड़िया ब्रांच का उद्घाटन

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (जामुड़िया): केनरा बैंक का उद्घाटन होने पर जामुड़िया निवासी में एक खुशी का माहौल बना हुआ है. मंगलवार को अपायन मैरेज हॉल के समीप नये केनरा बैंक जामुड़िया ब्राच का उद्घाटन फिता काट कर एवम् प्रदीप ज्वलित कर किया गया. इस बैंक सभी खाता धारकों को सारी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

इस बारे में कनाडा बैंक के कोलकाता सर्किल के हेड कल्याण मुखर्जी ने कहा कि आज केनरा बैंक के इससे शाखा का जमुरिया में उद्घाटन किया गया.

उन्होंने कहा कि कनाडा बैंक देश की अग्रणी सरकारी बैंकों में से एक है और पिछले वित्त वर्ष में कनाडा बैंक का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा. उन्होंने कहा कोलकाता सर्कल की तरफ से 18 नई शाखाएं खोली जा रही है. जिसमें आज जमुरिया में भी यह नई शाखा खोली गई। उन्होंने कहा कि कनाडा बैंक एक सरकारी बैंक है इसे दक्षिण भारत का स्टेट बैंक भी कहा जाता है और यहां पर जो सेवाएं ग्राहकों को दी जाएंगे. वह किसी भी अन्य सरकारी या निजी बैंक के तुलना में बेहतर है.

इस मौके पर कल्याण मुखर्जी (जेनरल मैनेजर सार्किल आफिस कोलकता) रंजन कुमार झा (असिस्टेंट जेनरल मैनेजर दुर्गापुर) नरेन्द्र कुमार मान, संजय कुमार सिंह उपस्थित थे.

सड़क हादसे में एक ड्राइवर गंभीर रूप से घायल

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (कांकसा): मंगलवार सुबह पानागढ़ बाईपास के पास दुर्गापुर जाने वाली सड़क पर हुए सड़क हादसे में एक ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर कांकसा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दुर्गापुर की ओर जा रहा एक बड़ा कंटेनर कांकसा चौराहे के पास सर्विस रोड के प्रवेश द्वार पर अचानक रुक गया और नियंत्रण खो बैठा, जिससे पीछे से एक छोटे कंटेनर में टक्कर हो गई। छोटे कंटेनर का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची कांकसा थाना पुलिस ने घायल को बाहर निकाला और उपजिला अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्गापुर जाने वाली सड़क पर यातायात बाधित हो गया। कांकसा पुलिस स्टेशन ने घायलों को बचाया और उन्हें उप-जिला अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने दुर्घटना में शामिल दो वाहनों को अन्य स्थानों पर पहुंचाया और यातायात को सामान्य किया।

पानागढ़ चेसिस मामले में एक और लॉरी जब्त

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (कांकसा): पुलिस ने पानागढ़ चेसिस मामले में एक और लॉरी जब्त की है। कल पानागढ़ बाजार के रंडीहा चौराहे से छापेमारी के दौरान एक लॉरी जब्त की गई थी। उस समय ट्रक की बॉडी पर काम चल रहा था। पुलिस को देखकर सभी भाग गए। इस बीच, जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि लॉरी की चेसिस को 16 पहियों से बढ़ाकर 18 पहियों का कर दिया गया था। यहां तक कि ट्रक की लाइसेंस प्लेट पर भी एक ही मालिक का नाम अंकित है। पुनः, चेकिस नम्बर किसी और के नाम पर दिख रहा है। पुलिस को संदेह है कि लॉरी को बाहर से चुराकर पानागढ़ लाने और सब कुछ बदलकर वाहन को बेचने का प्रयास किया जा रहा था।

तृणमूल कांग्रेस द्वारा जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (नियामतपुर): कुल्टी ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस द्वारा 18 नंबर वार्ड में जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण किया गया. मौके पर मुख्य रूप से कुल्टी ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष कंचन राय, शिक्षक गिरीश सिंह, तृणमूल नेता तपन मंडल, वार्ड अध्यक्ष अनूप घोष, सुकुमार मंडल, सुनील दत्ता उपस्थि रहे।

अवसर पर कंचन राय ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की नेत्री ममता बनर्जी, जिसका एक ही संदेश हैं, लोगो के साथ रहिए, जिसके अनूप्रेरणा से हम लोग सारा वर्ष आम लोगों के साथ रहते है. इस ठंड के मौसम को देखते हुए हमारे जिला अध्यक्ष नरेंद्र चक्रवर्ती द्वारा कुल्टी ब्लॉक के सभी वार्डो में जरूरतमंद लोगों में कम्बल दिया जा रहा हैं. मंगलवार को 18 नबर वार्ड के सीतारामपुर में जरूरतमंदो में कम्बल दिया गया।

सीपीआईएम का दो दिवसीय जिला सम्मेलन

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (कांकसा): सीपीआईएम का दो दिवसीय 26वां जिला सम्मेलन पानागढ़ बाजार सामुदायिक भवन में आयोजित किया जा रहा है। मंगलवार को पार्टी के प्रचार के आखिरी दिन सीपीआईएम नेता मोहम्मद सलीम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कॉन्फ्रेंस में पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने और 2026 के चुनावों की तैयारी के लिए कई मुद्दों पर चर्चा की गई। सम्मेलन में मोहम्मद सलीम के अलावा पूर्व सांसद बंसगोपाल चौधरी, वामपंथी नेता मीनाक्षी मुखर्जी और जिला नेतृत्व मौजूद थे। मोहम्मद सलीम ने आज राज्य में महिलाओं के खिलाफ हो रही हिंसा के विरोध में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और सलाइन घटना के बारे में भी बात की।

बेरोजगार युवाओं ने फैक्ट्री गेट के सामने प्रदर्शन कर नौकरी की मांग की

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (कांकसा): बांसकोपा गांव के युवा काम की मांग को लेकर फैक्ट्री गेट के सामने धरना पर बैठ गए।

बांसकोपा इलाके में आज एक निजी स्टील फैक्ट्री के सामने 100 से अधिक युवकों ने तृणमूल मजदूर संगठन के झंडे लेकर प्रदर्शन किया। फैक्ट्री गेट के सामने बैनर-पोस्टर लेकर गांव के युवकों के प्रदर्शन के कारण कोई भी व्यक्ति मौके पर नहीं पहुंचा। खबर मिलते ही कांकसा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि फैक्ट्री अधिकारी बाहर से मजदूरों को काम पर रख रहे हैं। लेकिन स्थानीय लोगों को नौकरी पर नहीं रखा जा रहा है। फैक्ट्री बनने के समय गांव वालों ने जमीन दी थी, लेकिन अब वे फैक्ट्री से होने वाले प्रदूषण से परेशान हैं। फैक्ट्री प्रशासन ने

स्थानीय बेरोजगार युवकों को रोजगार से वंचित कर दिया है।

जब उन्होंने इस बारे में तृणमूल जिला नेतृत्व को बताया तो उन्होंने फैक्ट्री प्रशासन से स्थानीय लोगों के लिए काम की मांग भी की, लेकिन फैक्ट्री प्रशासन ने उन्हें सिर्फ आश्वासन दिया कि कोई काम नहीं हुआ है। इसलिए प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक फैक्ट्री अधिकारी उन्हें काम दिलाने का आश्वासन नहीं देते, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्होंने विरोध किया, लेकिन उन्होंने कारखाना बंद नहीं किया।

लायंस क्लब ऑफ जामुड़िया बाजार के नेतृत्व में नेत्रजाँच शिविर का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (जामुड़िया): जामुड़िया लायंस अस्पताल में नेत्रजाँच शिविर का आयोजन लायंस क्लब ऑफ जामुड़िया बाजार के नेतृत्व में किया गया. इस नेत्रजाँच शिविर में आसपास के सैकड़ों नेत्र रोगियों ने अपने नेत्र का जांच कराया. रानीगंज आई अस्पताल के द्वारा यह नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया.

इसके बारे में जानकारी देते हुए लायंस अस्पताल के चेयरमैन पवन कुमार मावण्डिया ने कहा कि हमारे इस लायंस क्लब ऑफ जामुड़िया के द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी नेत्रजाँच शिविर का आयोजन किया गया है. इसके लिए हमारे इस लायंस क्लब ने नेत्र जांच में आए हुए लोगों को सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है. इस जांच शिविर में आस-

पास क्षेत्रों से सैकड़ों नेत्र रोगियों का नेत्रजाँच किया जाता है. इसके बाद नेत्र जांच शिविर में जिस रोगियों का आपरेशन करने की जरूरत होगी. उन्हें रानीगंज आई अस्पताल में ऑपरेशन किया जाएगा. इसके लिए पूरा खर्च रोगियों का लाने जाने के साथ साथ दवाई एवंम चश्मा का खर्च लायंस उठाएगी ताकि किसी को कोई भी तरह की लोगों को समस्या उत्पन्न ना हो.

इस मौके पर एमएमआईसी सुब्रत अधिकारी, बोरो चेयरमैन शेख शानदार, चिन्मय माजी, संदीप खैतान, भुषण गुप्ता, सुरेन्द्र जैन, मनोज अधिकारी, श्रवण अग्रवाल, पिनाकी चटर्जी, प्रवीण बंसल, बिनोद मिश्रा, राकेश दे, पुरुषोत्तम नाड़, सुरेन्द्र जैन, सुचित्र बनर्जी उपस्थित थे।

पत्रकारों को जानकारी देते हुए लायंस क्लब के एक अधिकारी ने बताया कि यह उनकी तरफ से आयोजित 25वां शिविर है. इससे शिविर में लोगों की आंखों की जांच की जा रही है. जिनका ऑपरेशन की आवश्यकता होगी उनको लाइंस क्लब की तरफ से रानीगंज ले जाया जाएगा. ऑपरेशन के बाद उनको फिर जमुरिया ले आने की भी व्यवस्था है. उन्होंने कहा कि जिनको चश्मे की जरूरत होगी. उनको चश्मा भी उपलब्ध कराया जाएगा करीब 500 मरीजों को यह सेवा देने का लक्ष्य रखा गया है.

विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता से जोड़ने के लिए चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (रानीगंज): विश्व बंधुत्व की भावना का विकास एवं विश्व शांति स्थापित करने के लिए 30 जनवरी से 1 फरवरी तक डीएवी मॉडल स्कूल शंकरपुर दुर्गापुर की तरफ से चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन किया जाएगा। उक्त बातें पत्रकार सम्मेलन के दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्य बरनाली चट्टोपाध्याय ने कही। उन्होंने बताया की विद्यार्थियों को समाज सेवा के प्रति एवं राष्ट्र सेवा के प्रति प्रेरित करने के लिए इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है देश की युवा पीढ़ी को भारतीय सभ्यता व संस्कृति के प्रति जागरूक करना हमारा मुख्य उद्देश्य है। करीब 500 विद्यार्थी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। एसके शर्मा प्रधान आर्य प्रादेशिक प्रतिदिन की सभा एवं निर्देशक दव पब्लिकेशन डिविजन मुख्य रूप से सम्मिलित होंगे पपिया मुखर्जी स्कूल की क्षेत्रीय पदाधिकारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेगी।

विकास विद्यालय में वार्षिक खेल पुरस्कार वितरण

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (जामुड़िया): बीजपुर स्थित इंग्लिश मीडियम सीबीएसई पाठ्यक्रम के विकास विद्यालय ने इस वर्ष अपना गोल्डन जुबली वर्ष मनाते हुए गणतंत्र दिवस के अवसर पर वार्षिक खेल पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के संचालक मदन त्रिवेदी द्वारा राष्ट्रपति ध्वज फहराने से हुई। इसके पश्चात राष्ट्रीय गीत की ध्वनि से पूरा विद्यालय परिसर गूंज उठा। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों के माध्यम से माहौल को जोश और गर्व से भर दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथियों में सभापति सिंह, फटिक बाउरी, और नारायण राम शामिल थे। अतिथियों, अभिभावकों, और विद्यालय की शिक्षिकाओं ने विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय बालमुकुंद त्रिवेदी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद विद्यार्थियों को मेडल और स्मृति चिह्न भेंट किए गए।

कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से विद्यालय की एक छात्रा राखी साव का जन्मदिन मनाया गया। राखी के लिए केक काटकर उसे शुभकामनाएं दी गईं।

वहीं, शिक्षिका मानसी कुमारी राम, जिनका विवाह फरवरी में होने वाला है, का भावपूर्ण विदाई समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। समापन पर बच्चों को केक, टॉफी और गुब्बारे वितरित किए गए। इस आयोजन ने विद्यालय के गोल्डन जुबली वर्ष को यादगार बना दिया।

आज का राशिफल

29 जनवरी 2025
बुधवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष

दिन लाभदायक रहेगा. सभी रुके कार्य पूर्ण होंगे. भाग्यका साथ मिलेगा. मन लगाकर अपने काम पूरे करें. बेहतर होगा कि किसी प्रकार के विवाद से बचें. कानूनी मामलों में आपकी जीत सुनिश्चित होगी. परिवार का सहयोग मिलेगा.

वृषभ

दिन उत्तम रहेगा. धन और मान सम्मान में वृद्धि होग. निवेश करने के लिए कुछ आर्थिक योजनाएं बन सकती हैं. किसी दूसरे की बातों में आने से बचें. फालतू खर्च पर ध्यान दें. कार्यक्षेत्र में अधिक परिश्रम करना पड़ेगा. स्वास्थ्य ठीक रहेगा.

मिथुन

दिन बढ़िया रहेगा. आर्थिक लाभ हो सकता है. आर्थिक योजनाएं सफल होंगी. व्यवसाय से जुड़े कुछ मुद्दे हल हो जाएंगे. मेहनत से काम करें तो हर काम आपको मुनाफा देगा. परिवार के साथ खुशी में दिन बीतेगा. फिजूल खर्चे से बचे.

कर्क

दिन अनुकूल रहेगा. मान सम्मान में वृद्धि होगी. नौकरी क्षेत्र में तारीफ सुनने को मिलेंगे. करियर से जुड़े कुछ बेहतरीन मौके मिल सकते हैं. कोई सुखद समाचार मिल सकता है. मन प्रसन्नरहेगा. राजनीतिक क्षेत्र में आपको लाभ होगा.

सिंह

दिन अच्छा रहेगा. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. आर्थिक योजनाएं सफल होंगी. धन सम्मान में वृद्धि होगी. सहयोगियों से हर प्रकार का सपॉट मिलेगा. पैसों की बचत करने में सफलता मिलेगी. स्वास्थ्य को लेकर जरा भी लापरवाही ना करे.

कन्या

दिन मिलाजुला रहेगा. कड़ी परिश्रम के बाद कार्य में सफलता मिलेगी. रुके हुए कारोबारिक कार्य पूर्ण होंगे. परिवार और कार्यक्षेत्र में संतुलन बनाकर चले. अपना कीमती वक्त बर्बाद करने से बचें. कामकाज की स्थिति आज बेहतर रहेगी.

तुला

दिन सामान्य रहेगा. किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं. बिजनेस संबंधित कुछ आवश्यक बातों को लीक ना होने दें. नौकरी में कार्यरत लोगो को सावधानी बरतनी चाहिए. आपको जीवनसाथी का सहयोग सानिध्य भरपूर मात्रा में मिलेगा.

वृश्चिक

दिन अनुकूल नहीं रहेगा. वाहन चलाते समय सावधानी बरते. परिवार में किसी सदस्य के करियर को लेकर आपको चिंता सताएगी. अपने क्रोध पर नियंत्रण बनाए रखें. कोई वाद विवाद समाप्त होगा. जीवनसाथी की स्वास्थ्य का ध्यान रखे.

धनु

दिन ठीक-ठाक रहेगा. घर पर अतिथि का आगमन हो सकता है. खर्चा में वृद्धि होगी. ऋण आसानी से मिल जाएगा. बिजनेस में कोई नयी योजना शामिल करेंगे. सट्टेबाजी में निवेश करने से बचे. कार्यक्षेत्र में सावधान रहने की आवश्यकता है.

मकर

दिन शुभ रहेगा. आर्थिक लाभ होगा. कोई खुशखबरी मिलेगी. कार्यक्षेत्र में काम का प्रेशर ज्यादा रहेगा. नया मकान, वाहन आदि खरीद सकते है. मान सम्मान की प्राप्ति होगी. माता-पिता के आशीर्वाद मिलेगा. रुका हुआ काम पूरा होगा.

कुंभ

दिन सामान्य रहेगा. घर पर धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन हो सकता है. परिवार में किसी सदस्य को सरकारी नौकरी की प्राप्ति हो सकती हैं. लोगों से बातचीत करते समय वाणी की मधुरता को बनाए रखना होगा. प्रतिस्पर्धा का भाव मन में रहेगा.

मीन

दिन अच्छा रहेगा. मान सम्मान में वृद्धि होगी. कारोबार में लाभ होगा. किसी काम के बिगड़ने से तनाव हो सकता है. पैसों का खर्च सोचकर करें. कोई शुभ समाचार सुनने को मिलेगा. करियर में लाभ और उन्नति होगी. रुके हुए कार्य पूर्ण होगे.

सेल टासरा व चासनाला परियोजना का केंद्रीय इस्पात मंत्री ने किया दौरा

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): मंगलवार को केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्र एच.डी. कुमार स्वामी एवं इस्पात एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा ने सेल की टासरा ओपन कास्ट परियोजना एवं चासनाला वाशरी का निरीक्षण किया। इस दौरान सेल के चैयरमेन अमरेंदु प्रकाश भी उनके साथ थे।

टासरा परियोजना आगमन पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन एवं सेल के वरीय पदाधिकारियों ने मंत्रीद्वय का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

वहीं सेल के महाप्रबंधक शिवराम बनर्जी ने मंत्रीद्वय को टासरा परियोजना की प्रगति से अवगत कराते हुए बताया कि टासरा परियोजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है। यह परियोजना 4 मिलियन टन वार्षिक क्षमता की परियोजना है, जिसमें वाशरी का निर्माण भी शामिल है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से स्थानीय क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों का विकास होगा एवं रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। केंद्रीय इस्पात मंत्री ने कोल माइन के ले-आउट आदि का निरीक्षण कर कहा कि यह परियोजना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक कदम है एवं इस परियोजना से कोकिंग कोल के आयात में कमी आयेगी, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार की बचत होगी।

उन्होंने सेल एवं मेसर्स के.टी.एम.पी.एल. के संयुक्त तत्वावधान में सीएसआर के अन्तर्गत संचालित महिला स्वरोजगार गतिविधियों का अवलोकन किया एवं सेल के सामाजिक क्षेत्रों के कार्यों की सराहना की।

तत्पश्चात मंत्रीद्वय ने सेल चासनाला वाशरी का अवलोकन कर वाशरी के कार्यों की समीक्षा की। उसके बाद मंत्रीद्वय ने चासनाला शहीद स्मारक पहुंच कर खान दुर्घटना में शहीद हुए श्रमिकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर सेल के बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बी.के. तिवारी, कोलियरी प्रभाग के कार्यपालक निदेशक एस.के. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (एचआर) संजय तिवारी, महाप्रबंधक टासरा एस.के. कुरील, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, सिंदरी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आशुतोष सत्यम, के.टी.एम.पी.एल. के प्रवीण कोटा, टी. रमेश एवं बड़ी संख्या में सेल के अधिकारी तथा प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

जनता दरबार में अपर समाहर्ता ने सुनी लोगों की शिकायतें

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): मंगलवार को आयोजित जनता दरबार में अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की समस्याएं सुनी। जनता दरबार में बलियापुर के भिखराजपुर से आए व्यक्ति ने अपर समाहर्ता को बताया कि उनके भाई द्वारा जबरन उनका घर तोड़ा जा रहा है। विरोध करने पर गाली गलौज और मारपीट करते हैं।

वहीं मनईटांड से आए व्यक्ति ने कहा कि वह जीविकोपार्जन के लिए विगत 26 वर्षों से एक पान गुमटी चला रहे हैं। परंतु मोहल्ले के कुछ लोगों द्वारा बारंबार गुमटी हटाने की धमकी दी जा रही है। एक अन्य फरियादी ने रैयती जमीन पर दबंगों द्वारा जबरन कब्जा कर घर बनाने की शिकायत की। इसके अलावा राशन कार्ड बनाने, आरटीआई में पुत्र का चयन होने के बाद भी विद्यालय द्वारा नामांकन नहीं करने सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई।

अपर समाहर्ता ने सभी शिकायतों को संबंधित पदाधिकारी के पास निष्पादन करने के लिए अग्रसारित किया। जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद व जन शिकायत कोषांग के नंदकिशोर कुशवाहा भी मौजूद थे।

सीएफएम संक्षिप्त

धोखाधड़ी वाले ऐप से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): झारखण्ड पुलिस मुख्यालय के सभागार में मंगलवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता की अध्यक्षता में साईबर अपराध से संबंधित धोखाधड़ी वाले एपीके (एंड्रॉयड एप्लिकेशन पैकेज) ऐप से बचने/सुरक्षित रहने हेतु समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में अनजाने/ धोखाधड़ी वाले एपीके (एंड्रॉयड एप्लिकेशन पैकेज) ऐप से संबंधित विभिन्न सुरक्षा नीतियों की व्यापक रूप से समीक्षा की गई।

अवैध अफीम की खेती को विनष्ट किया गया

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): सोयको थाना अंतर्गत ग्राम बुरजू में करीब 11 एकड़, अड़की थाना अंतर्गत ग्राम राउता, बाड़ीनिचकेल मे करीब 18 एकड़, मुरहू थाना अंतर्गत ग्राम रोडो, रूबुआ, जुर्मू में करीब 20 एकड़, मरांगहदा थाना अंतर्गत ग्राम गतिगढ़ा, सैंडासोमे, उटुरुंग में करीब 20 एकड़ जिले में करीब 69 एकड़ में लगे अवैध अफीम की खेती को विनष्ट किया गया।

लातेहार पुलिस को मिली बड़ी सफलता

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): पुलिस अधीक्षक, लातेहार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन जेजे एमपी के एरिया कमांडर 2 लाख का इनामी जितेंद्र सिंह उर्फ बजरंगी को लातेहार थाना अंतर्गत ग्राम सेमरियाटांड़ जंगल के पास से गिरफ्तार किया गया। तथा इसके निशानदेही पर अग्नेयास्त्र भी बरामद किया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त जेजे एमपी उग्रवादी लातेहार जिला के 13 कांडों का वांछित अभियुक्त है।

ग्रामीणों ने उग्रवादियों की जमकर पिटाई कर दी

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): लातेहार। चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर गांव में एक ईंट भट्ठा में स्थानीय मजदूरों और ग्रामीणों ने उग्रवादियों की जमकर पिटाई कर दी। जिसमें एक उग्रवादी की मौत हो गई। जबकि दो उग्रवादियों को पुलिस ने धर दबोचा। मृतक उग्रवादी अभय नायक उग्रवादी संगठन का कमांडर बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। एसपी कुमार गौरव ने इसकी पुष्टि की है।

इनामी विवेक के दस्ते में शामिल दो नक्सलि गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): गिरिडीह। नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के सेंट्रल कमेटी मेंबर एक करोड़ के इनामी विवेक के दस्ते में शामिल दो नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार नक्सलियों में एक महिला और एक पुरुष है। दोनों रिश्ते में पति पत्नी हैं। इनके पास से 9 एमएम का पिस्टल और गोली मिली है।

राष्ट्रीय तेली साहू संगठन की ओर से निशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): राष्ट्रीय तेली साहू संगठन धनबाद व एएसजी आई हॉस्पिटल की ओर से एमओसीपी दुर्गा मंदिर ग्राउंड में निशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया जिसका विधिवत उद्घाटन संगठन के युवा प्रदेश अध्यक्ष विकास साव व भाजपा धनबाद ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर ने संयुक्त रूप से किया। जांच शिविर में 80 लोगों की निशुल्क जांच की जिसमें 20 लोगों को मोतियाबिंद निकला जिन्हें चिकित्सीय परामर्श दिया गया। मौके संगठन के रंजीत साव, सुनील साव, कुलदीप साव, दिलीप साव, पप्पू साव, अशोक साव, रामसेवक साव, लक्ष्मी साव ने अपना अहम योगदान दिया।

धनबाद मंडल संसदीय समिति की बैठक का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): हाजीपुर/ धनबाद मंडल की 'मंडल संसदीय समिति' की बैठक का आयोजन धनबाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। इस बैठक में धनबाद मंडल क्षेत्राधिकार के माननीय सांसदगण उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता सांसद विष्णु दयाल राम जी द्वारा किया गया।

सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी तथा माननीय सांसद कालीचरण सिंह जी बैठक में उपस्थित हुए। साथ ही केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, सांसद ढुलू महतो, सांसद मनीष जायसवाल, सांसद डॉ. राजेश मिश्र, सांसद डॉ. सरफराज अहमद, सांसद आदित्य प्रसाद, सांसद प्रदीप कुमार वर्मा, सांसद दीपक प्रकाश तथा सांसद महुआ माजी के प्रतिनिधि आज की बैठक में उपस्थित थे। सांसदगण द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास तथा यात्री सुविधाओं में और वृद्धि एवं उसे सुदृढ़ करने के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये गए। सांसदगण द्वारा आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया। साथ ही बैठक में भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा सहित मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे।

इसके पूर्व बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने सांसदगण एवं सांसद प्रतिनिधियों का स्वागत किया। महाप्रबंधक ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि धनबाद मंडल द्वारा यात्री सुविधा की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। महाप्रबंधक ने कहा कि धनबाद मंडल भारतीय रेल में माल लदान में महत्वपूर्ण स्थान रखता है एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में भी धनबाद मंडल द्वारा माल लदान एवं इससे प्राप्त आय में भारतीय रेल के सभी मंडलों में प्रथम स्थान प्राप्त करने का गौरव हासिल हुआ है। महाप्रबंधक ने सांसदों को अवगत कराया कि इस वर्ष में यात्री सुविधा के क्षेत्र में कार्य करते हुए 03 स्टेशनों पर उपरगामी पुल का निर्माण, 05 स्टेशनों के प्लेटफार्म का विस्तार का कार्य पूरा किया गया है । इसी तरह 08 स्टेशनों पर दिव्यांग शैचालय की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। धनबाद स्टेशन पर रेल कोच रेस्टुरेंट भी खोला गया। अनारक्षित टिकट आसानी से प्राप्त हो सके इसके लिए रेणुकूट, चोपन तथा बरकाकाना में दो-दो एटीवीएम का प्रावधान किया गया। यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष साप्ताहिक ट्रेन कायंबटूर के लिए तथा जम्मूतवी एवं नासिक रोड के लिए द्विसाप्ताहिक ट्रेन का परिचालन किया गया। न्यू गिरीडीह से रांची के लिए इंटरसिटी का परिचालन प्रारंभ किया गया जिसका मार्ग विस्तार अब मधुपुर तक कर दिया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत् प्रारंभिक चरण में 15 स्टेशनों का चयन किया गया है जिसका कार्य विभिन्न चरणों में है। एक स्टेशन एक उत्पाद के तहत् 26 स्टेशनों पर स्टॉल/ट्रॉली लगाए गए हैं जिससे क्षेत्र के हस्तशिल्पियों एवं स्थानीय उत्पाद को उत्सावर्धन तथा उत्पाद को एक बेहतर बाजार मिल रहा है। सांसदों ने अपने क्षेत्र में ट्रेनों के ठहराव, नई रेल परियोजनओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी मांगी, जिससे महाप्रबंधका द्वारा माननीय सांसद को अवगत कराया गया।

महाप्रबन्धक ने माननीय सांसदों से प्राप्त बहुमूल्य सुझावों के लिये आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुझाव हमें भविष्य में रेल विकास कार्यों की रूप-रेखा तय करने में काफी सहायक सिद्ध होगा।

बिना हेलमेट के टू व्हीलर चालकों को दिया निःशुल्क हेलमेट

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): जिला परिवहन पदाधिकारी श्री दिवाकर सी द्विवेदी एवं ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को रणधीर वर्मा चौक तथा सिटी सेंटर पर बिना हेलमेट के टू व्हीलर चलाने वालों को पकड़ा गया।

उन्हें यातायात नियमों की जानकारी दी गई। साथ ही ऐसे लगभग 50 चालकों के बीच निःशुल्क हेलमेट का वितरण किया गया। कुछ लोगों के हेलमेट बहुत खराब स्थिति में पाए गए। उनको भी नई हेलमेट देकर अच्छी क्वालिटी की हेलमेट पहनने और हमेशा हेलमेट लॉक लगाने के लिए समझाया गया।

मौके पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार, रोड इंजिनियरिंग एनालिस्ट अमरेश कुमार एवं यातायात पुलिस कर्मी मौजूद थे।

डिग्री नहीं, जिम्मेदारी निभाने का माध्यम है शिक्षा- मिथलेश

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): नवजीवन एकेडमी नुनुडीह में 76वें गणतंत्र दिवस भव्य, उत्साह, उल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान और ध्वजारोहण के साथ हुई, इसके बाद, छात्रों द्वारा देशभक्ति गीत, संगीत, भाषण और कविता पाठ प्रस्तुत किए गए, जो हमारे देश की विविधता और समृद्ध संस्कृति पर आधारित थे।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर संस्था के निदेशक मिथलेश दास ने अपने संबोधन में संविधान के महत्व पर प्रकाश डाला और 1950 में इस दिन की ऐतिहासिक उपलब्धि को याद करते हुए सभी को अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। संस्था के निदेशक मिथलेश दास ने आपने संबोधन में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, आप सभी भारत के भविष्य हैं।

शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का साधन नहीं है, बल्कि यह देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का माध्यम है। एक जिम्मेदार नागरिक बनकर देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही सच्ची देशभक्ति है।

छात्र समर कुमार ने अपने प्रेरणादायक भाषण के माध्यम से संविधान की भावना और देश के प्रति कर्तव्यों को उजागर किया। छात्रा साक्षी पांडेय ने अपने ओजस्वी भाषण में गणतंत्र की उपलब्धियों और लोकतंत्र की शक्ति पर प्रकाश डाला।

छात्र अभिषेक कुमार ने एक सुंदर देशभक्ति कविता प्रस्तुत की, जो हर किसी के हृदय को छू गई।

छात्रा मोनी कुमारी ने अपने संगीतमय प्रस्तुति से कार्यक्रम में मधुरता का रंग भर दिया। छात्रा रोशनी टुडू ने अपने भाषण के माध्यम से देश के विकास में युवाओं की भूमिका और योगदान पर जोर दिया। छात्रा नरगिस प्रवीण ने संविधान की विशेषताओं, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक पहलुओं के साथ-साथ महिलाओं को मिले विशेष अधिकारों पर प्रभावशाली भाषण दिया।

कार्यक्रम में नेहा कुमारी, रोशनी टुडू, नरगिस प्रवीण, सोनी कुमारी, साक्षी कुमारी, खुशबू कुमारी, भूमि कुमारी, साक्षी पाण्डेय, शोभा कुमारी, सरिता कुमारी, मोनी कुमारी, अभिषेक कुमार, रोहित साधु, अमर कुमार , अमन कुमार, रामजीत कुमार, मोहम्मद सादाब, समर कुमार, सुमन प्रवीण, सईदा आरा समेत शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

छात्रों को हाइवा ने ठोकर मारा, दो घायल

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): मंगलवार को झरिया बलियापुर मुख्य मार्ग स्थित चांद कुइयां मोड़ के पास स्कूल जा रहे दो छात्रों को बीसीसीएल के हाइवा वाहन जेएच 10 एएफ 3533 ने ठोकर मारने से दो छात्रों को काफी चोट लगी, दोनों छात्रों को सुबह उसके पापा स्कूल ले जा रहे थें। इसी क्रम में यह दुर्घटना घटी, घायल छात्रों का नाम नयन महतो (13 वर्ष), अमन महतो (12 वर्ष) पिता जितेंद्र महतो है। दुर्घटना की सूचना पाते ही लोगों का जमावड़ा लग गया लोगों ने ड्राइवर की जमकर पिटाई कर दी, तिसरा थाने को सूचना मिलते ही थानेदार सुमन कुमार ने तत्परता दिखाते हुए घनुडीह ओपी और बलियापुर पुलिस पहुच कर हालात पर काबू पाया जा सका। तिसरा थानेदार ने बताया कि लिखित शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। दोनों छात्रों का इलाज झरिया के एक निजी अस्पताल में चल रहा है, दोनों की हालत खतरे से बाहर है।

स्नान का घर का उद्घाटन

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): बलियापुर पश्चिम पंचायत अंतर्गत, पंचायत सचिवालय के समीप पंचायत समिति सदस्य नमिता देवी के 15वीं वित्त आयोग मद द्वारा स्नान का घर का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी, पंचायत समिति सदस्य नमिता देवी, मुखिया विजय गोराई के कर कमल के द्वारा कि गई। मौके पर उपस्थित पूर्व मुखिया नीलिमा देवी, वार्ड सदस्य गण, राखोहरी गोराई, सुबल गोराई, रवींद्र वर्मा, उत्तम गोराई, जगन्नाथ गोराई, मोहन गोराई राजू, विजय रजक, टप्पु, संजय रजक, दिपक कुम्भकार राजकिशोर कुम्भकार, पिन्टू मंडल थे।

आशीत चटर्जी एवं लेवन कोड़ा के सेवानिवृत होने पर सम्मान समारोह का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के बेरा शाखा अध्यक्ष आशीत चटर्जी एवं लेवन कोड़ा के सेवानिवृत होने के बाद यूनियन की ओर से हाजिरी घर के समीप सम्मान समारोह का आयोजन कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में मुख्य रूप से यूनियन के केंद्रीय सचिव आनंद मय पाल उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मनोज यादव ने किया। आनंद मय पाल ने मजदूरों को संबोधित करते हुए कहा कि चटर्जी यूनियन के साथ-साथ एक अच्छे कुशल श्रमिक थें। हमेशा जो भी उनको जिम्मेवारी दी जाती थी, उस पर खरा उतरते थें और संगठन का बिस्तार कैसे हो इसके बारे में हमेशा तत्पर रहते थें। हमलोग चाहते हैं कि उनकी सेवा हमेशा मिलती रहे और संगठन का काम चलता रहे। फूल माला अंग वस्त्र आदि देकर सम्मानित किया गया। मौके पर तुलसी रवानी लीला चौहान आनंद लाल महतो पतित पावन माजी राम भजन हरिजन देवासी चटर्जी प्रदीप सिंह प्रभास पाल, आनंद लाल व अन्य लोग उपस्थित थें।

सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने बीसीसीएल सीएमडी के साथ की बैठक

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): मंगलवार को बीसीसीएल मुख्यालय कोयला भवन धनबाद में गिरिडीह के सांसद चन्द्रप्रकाश चौधरी ने बीसीसीएल सीएमडी समिरन दत्ता के साथ बैठक कर गोबिन्दपुर एरिया 3 खरखरी मामले की जानकारी लिए और सीएमडी को निर्देशित किये की काग़ज़ी प्रक्रिया व विस्थापितों को विश्वास में लेकर ही आगे काम करें ताकि एसी घटना का पुनरावृति ना हो साथ ही क्षेत्र के विकास कार्यो को लेकर भी चर्चा किए।

ज्ञान विज्ञान समिति का गांव को जाने-गांव को बदले को लेकर जन-संवाद कार्यक्रम

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): मंगलवार को मध्यविद्यालय खरिकाबाद में मध्य खरिकाबाद में ज्ञान विज्ञान और झारखंड जिला इकाई धनबाद के द्वारा गांव को जाने-गांव को बदलें को लेकर जन - संवाद धनबाद नगर निगम के वार्ड नंबर- 14 के निवर्तमान पार्षद मो. निसार आलम के अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। तथा संचालन ज्ञान विज्ञान समिति के सचिव भोला नाथ राम द्वारा किया गया।

इस अवसर में मुख्यरूप से गोंदूडीह थाना के प्रभारी राजन कुमार झा, एएसआई भगत सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता विमल चंद्र प्रमाणिक, जितेंद्र कुमार रवानी, मधेश्वर नाथ भगत आदि लोग मौजूद थे।इस अवसर पर थाना प्रभारी राजन झा द्वारा शिक्षा पर जोड़ देते हुए उपस्थित लोगों से आग्रह किए कि अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की बात कहें। इसके साथ सभी के लिए शिक्षा, स्वास्थ, सामाजिक सुरक्षा आदि को लेकर चर्चा हुई। इसके पश्चात अंचल कार्यालय, पुटकी धनबाद के सहयोग से प्राप्त 80 लोगों को कम्बल वितरण किया गया। इसी तरह वार्ड नंबर 9 के पार्षद कार्यालय पुटकी नंबर 13 में वार्ड नंबर-10 के निवर्तमान पार्षद देवाशीष पास व वार्ड नंबर 9 के पार्षद प्रतिनिधि सुभाष पासवान एवं मधेश्वर नाथ भगत के उपस्थिति में 80 लोगों को कम्बल वितरण किया गया।

खरिकाबाद के कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक मो. कलामुदीन, दिलीप रवानी, रूबी देवी, प्रमिला देवी आदि का सहयोग रहा।

श्रध्दाभाव से 101वीं जयंती पर याद किये गये भारत रतन कर्पूरी ठाकुर

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (धनबाद): रामचन्द्र दल बालू गद्दा झरिया के प्रांगण में झरिया प्रखंड नाई समाज संघ ने सामाजिक न्याय के पुरोधा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री भारत रतन जन नायक कर्पूरी ठाकुर जी की 101वीं जयंती पर उन्हें याद कर बड़े ही धूमधाम से जयंती मनाया। जिसमें मुख्य अतिथि जिला के अध्यक्ष दीनानाथ शर्मा एवं संचालन डॉक्टर एमके ठाकुर ने किया। वक्ताओं ने उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दिवंगत कर्पूरी जी ने कहा था मैं उस घर में दिया जलाने निकला हूँ जहां सदियों से अंधेरा है। और उन्होंने समाज कल्याण में जीवन अर्पित कर दी। उनके आदर्श को अपनाए और शिक्षित बने।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय नाई समाज संघ के सदस्य हीरालाल शर्मा एवं झरिया प्रखंड के अध्यक्ष संजीत कुमार शर्मा उर्फ मोहन ठाकुर, सचिव प्रदीप कुमार ठाकुर, डॉ• सत्यनारायण ठाकुर, महेंद्र शर्मा, अरविंद शर्मा, राजकुमार ठाकुर, ईश्वर ठाकुर, वासुदेव ठाकुर किशोर ठाकुर, डॉक्टर शिबू ठाकुर, गोपाल ठाकुर, जितेंद्र ठाकुर, सुनील ठाकुर, राज कुमार शर्मा केंदुआ, मंटू ठाकुर, दिनेश शर्मा, राजपति शर्मा , संजय शर्मा, अजय शर्मा, लाल धारी शर्मा, राजेंद्र शर्मा, पन्नालाल शर्मा, नरेश ठाकुर, विक्की ठाकुर, भूषण ठाकुर, कमलेश्वरी ठाकुर, कृष्ण शर्मा, शिवजी शर्मा, डॉक्टर बृजनंदन शर्मा, देवेंद्र ठाकुर आदि उपस्थित थे।

नॉर्थ कोरिया ने फिर किया मिसाइल परीक्षण

साउथ कोरिया, अमेरिका को स्पष्ट संकेत

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी 2025: अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति पद की ताजपोषी के साथ-साथ डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस यूक्रेन युद्ध के युद्ध विराम की धमकी भरी अपील ने रूस, चीन तथा नॉर्थ कोरिया को बेचैन कर दिया है। उल्लेखनीय की नॉर्थ कोरिया और साउथ कोरिया के आपस के कड़वे रिश्ते के बीच अमेरिका का साउथ कोरिया को लेकर काफी हस्तक्षेप है जिसे नॉर्थ कोरिया कई दशक से पसंद नहीं करता आया है। संयुक्त राष्ट्र संघ और एमनेस्टी इंटरनेशनल की भूमिका बेमानी हो गई हैं। क्या मानवीय संवेदनाओं की आशाएं निर्मूल साबित हो रही हैं। वैश्विक शांति और अमन की कल्पनाओं से परे वैश्विक युद्ध की आशंका में उत्तर कोरिया ने भी अपना मोर्चा खोल दिया है उसने फिर एक मिसाइल का परीक्षण कर साउथ कोरिया अमेरिका तथा यूरोपीय देशों को सीधा-सीधा संदेश दिया है कि साउथ कोरिया और नॉर्थ कोरिया के संबंधों के बीच किसी देश के हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उत्तर कोरिया की आधिकारिक न्यूज़ एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच अब तनाव बढ़ने लगा है। उत्तर कोरिया में दक्षिण कोरिया के सामरिक एवं महत्वपूर्ण ड्रोन का उत्तर कोरिया के हवाई क्षेत्र में सर्वे करने के दौरान उत्तर कोरिया ने इसे चिन्हित कर अपनी संप्रभुता की सीमाओं पर हमला करार किया है और स्पष्ट रूप से कह दिया है कि यदि दक्षिण कोरिया अपने ड्रोन इसी तरह उत्तर कोरिया की सीमा पर भेजेगा तो उत्तर कोरिया इसे अपने पर हमला मानेगा और इसका मुंह तोड़ जवाब देने के लिए उत्तर कोरिया तैयार है। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर बड़े हमले की चेतावनी भी दे डाली है। इन परिस्थितियों में विश्व में चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध तथा इसराइल हमास लेबनान ईरान युद्ध के अलावा उत्तर कोरिया ने हमले की धमकी देकर एक नये युद्ध का मोर्चा खोल दिया है। यह तो सर्व विदित है कि उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग-उन एक सनकी तानाशाह है और अमेरिका पर परमाणु युद्ध के हमले की गाहे-बगाहे धमकियां भी दिया करता है। उत्तर कोरिया दक्षिण कोरिया की किसी भी हिमाकत पर उस पर हमला कर सकता है। उधर रूस यूक्रेन युद्ध को 2 वर्ष पूरे हो चुके है कई प्रभावशाली प्रयासों के बाद भी युद्ध रुकने का नाम नहीं ले रहा है रूस के व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के व्लादिमीर जेलेन्स्की हास्य कलाकार होने के बावजूद यूक्रेन के लिए त्रासदी के नायक बन गए हैं। दोनों देशों में हजारों नागरिक एवं सैनिक मारे जा चुके हैं इसके अलावा अरबों डॉलर की संपत्ति का भारी नुकसान भी हुआ है। इसराइल हमास लेबनान तथा ईरान के मध्य युद्ध अपने पूरे शबाब पर है। इजरायल के आतंकवादी समूह हिज्बुल्लाह के कमांडर याह्या सिंनवार को रॉकेट लांचर से मार देने के बाद इसके जवाब में लेबनान से इजरायल के सिरोसिया शहर में जहां इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का आधिकारिक निवास है में लगभग 55 रॉकेट लांचर दागे थे इसराइल के प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी सारा घर से बाहर होने के कारण पूरी तरह सुरक्षित हैं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई ने अपने बयान में बताया की इस तरह के और हमले अभी जारी रहेंगे। पूरा विश्व इस समय विश्व युद्ध की कगार पर है और यदि उत्तर तथा दक्षिण कोरिया के मध्य युद्ध होता है तो निश्चित तौर पर अमेरिका साउथ कोरिया की तरफ से एवं रूस,चीन नॉर्थ कोरिया की तरफ से इस युद्ध में शामिल हो सकते हैं। पूरा विश्व दो भागों में बट गया है एक तरफ रूस, चीन, नॉर्थ कोरिया, पाकिस्तान तथा पश्चिम एशिया के देश होंगे तथा दूसरी तरफ अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा, इजरायल तथा अन्य देश के युद्ध में शामिल होने की संभावना बलवती हो रही है। भारत लगातार रूस-यूक्रेन, इसराइल-हमास युद्ध को रोकने के लिए प्रयासरत है और इस प्रयास के अंतर्गत भारत के प्रधानमंत्री ने रूस तथा यूक्रेन की आधिकारिक यात्राएं भी की है। परंतु दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के अडियल रवैये के कारण शांति वार्ता संभव नहीं हो पाई, परंतु जैसा पुतिन ने अपने वक्तव्य में बताया की रूस यूक्रेन के साथ युद्ध विराम शांतिपूर्वक तरीके से करना चाहता है पर यूक्रेन इस वार्ता से पीछे हटकर अमेरिका तथा नाटो देशों के दम पर इनकार कर दिया है। रूस यूक्रेन युद्ध से अमेरिका रूस का बड़ा विरोधी बनकर लगभग 15 साल पीछे जा चुका है एवं उसकी मुद्रा डॉलर की कीमत भी अब वैश्विक स्तर पर काम होते जा रही है। रूस के नुकसान के साथ-साथ अमेरिका को भी काफी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है। पुतिन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे हमेशा रूस के लिए और शांति प्रयासों के लिए फिक्रमंद रहते हैं यह यह तथ्य वैश्विक शांति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम भी है और भारत के प्रधानमंत्री को उन्होंने रूस आमंत्रित भी किया है। पूरी दुनिया वैश्विक युद्ध के परिणाम से अच्छे तरह से वाकिफ है पूर्व के विश्व युद्ध में जापान के नागाशाकी तथा हिरोशिमा की भयानक मानवीय त्रासदी को हर देश के नागरिक अच्छे से महसूस करते हैं। अतः विश्व युद्ध को हर संभव प्रयासों से रोका जाना चाहिए अन्यथा विश्व युद्ध मानवता के विकास के लिए एक बडा अवरोध और विनाशक होगी।

संजीव ठाकुर
लेखक, चिंतक, स्तंभकार
रायपुर छत्तीसगढ़

औरंगजेब ने 3 लाख सैनिको सहित किया था मथुरा पर हमला-20 हजार किसानों ने 4 दिनों तक लड़ा युद्ध हजारो महिलाए जौहर की आग में खाक हुई

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी 2025: भारत के इतिहास में ऐसे-ऐसे योद्धा हुए हैं, जिनकी वीरता पूरे देश के लिए आदर्श एवं प्रेरणादायी रही है किन्तु यह हमारा दुर्भाग्य ही कि उन वीर सपूतों के बलिदान ओर देश के लिए अपना सर्वस्य लुटा देने के बाद भी वे आज गुमनामी के अंधेरे में है। हमारी शिक्षा प्रणाली में कमी कहे या पाठ्य पुस्तकों में छात्रों को पढ़ाये जाने वाले विषयों में राष्ट्रीय, प्रादेशिक एवं जिलो के इन सपूतों को उपेक्षित रख इतिहास के पन्नों पर आने तक नही दिया है। शिक्षा प्रणाली में विषयों के चयन में स्थानीय वीरों, शहीदों ओर देश की आजादी में शामिल होकर अंग्रेजों या मुगलों के अत्याचार के शिकार होकर अपना देश ओर धरम नहीं छोडने वाले इन महापुरुषों को इतिहास में पढ़ाया जाना आवश्यक होना चाहिये किन्तु यह तुष्टीकरण की नीति के रहते नही हो सका। हम बात कर रहे है एक महान योद्धा गोकुल सिंह जाट की, जिसने सत्रहवीं शताब्दी में अपने रणकौशल से मुगल शासक ओरंगजेब की नींद उड़ा राखी थी तब अकेला गौकुलसिंह जात ऐसा योद्धा था जिसने दिल्ली का यह शासक औरंगजेब मथुरा में मंदिरों को ध्वस्त कर लुटपाट में असफल रहने लगा ओर उसके द्वारा हरेक बार मुगल सेना का सामना कर उन्हे मार गिराकर निरुत्तर होना पड़ा तथा हमेशा जाट से मुह की खानी पड़ी तब उसको कमजोर शासकों के रूप में गिना जाने लगा था तब वह किसी भी तरह अपनी शाख बचाने जाट के पीछे सेनाओं की टुकड़ी भेजकर उसे गिरफ्तार करने का षड्यंत्र रचने लगा।

बात तब की है जब सन् 1666 में मुगल बादशाह औरंगजेब के अत्याचारों से हिन्दू जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी। मंदिरों को तोड़ा जा रहा था, हिन्दू स्त्रियों की इज्जत लूटकर उन्हें मुस्लिम बनाया जा रहा था। औरंगजेब और उसके सैनिक पागल हाथी की तरह हिन्दू जनता को मथते हुए आगे बढ़ते जा रहे थे। हिंदुओं को दबाने के लिए औरंगजेब ने अब्दुन्नवी नामक एक कट्टर मुसलमान को मथुरा का फौजदार नियुक्त किया। अब्दुन्नवी के सैनिकों का एक दस्ता मथुरा जनपद में चारों ओर लगान वसूली करने निकला। मथुरा के पास सिनसिनी गाँव के सरदार गोकुल सिंह के आह्वान पर किसानों ने लगान देने से इनकार कर दिया, परतंत्र भारत के इतिहास में वह पहला असहयोग आन्दोलन था। दिल्ली के सिंहासन के नाक तले समर वीर धर्मपरायण हिन्दू वीर योद्धा गोकुल सिंह और उनकी किसान सेना ने आततायी औरंगजेब को हिंदुत्व की ताकत का एहसास दिलाया। मई 1669 में अब्दुन्नवी ने सिहोरा गाँव पर हमला किया। उस समय वीर गोकुल सिंह गाँव में ही थे। भयंकर युद्ध हुआ लेकिन अब्दुन्नवी और उसकी सेना सिहोरा के वीर हिन्दुओं के सामने टिक ना पाई और सारे सैनिक गाजर-मूली की तरह काट दिए गए। गोकुल सिंह की सेना में जाट, राजपूत, गुर्जर, यादव, मेव, मीणा इत्यादि सभी जातियों के हिन्दू थे, सब अपनी जाति-पाति भूलकर एक हिंदू थे। इस विजय ने मृतप्राय हिन्दू समाज में नए प्राण फूँक दिए थे।

गोकुलसिंह जाट की युद्ध कौसलत का ही परिणाम था की उसके पास न तो कोई आधुनिक शस्त्र थे ओर न ही घुड़सवार सैनिको ओर हथियों पर सवार सैनिको का मुकाबला कर सके किन्तु उसके पास अपने किसान भाइयों ओर मथुरा के नागरिकों को युद्ध में पारंगत कर किस प्रकार शत्रु सेना के आईएनएस सवारसैनिको ओर पैदल आदि से युद्ध किया जाय यह नीति पता थी ओर समय समय पर बदलब कर जीतने का जज्बा था। औरंगज़ेव युद्ध को खत्म नही होने देना चाहता था ताकि मथुरा पर जल्द से जल्द उसका कब्जा हो। इसके बाद पाँच माह (5 महीनों) तक भयंकर युद्ध होते रहे। मुगलों की सभी तैयारियां और चुने हुए सेनापति प्रभावहीन और असफल सिद्ध हुए। क्या सैनिक और क्या सेनापति सभी के ऊपर गोकुल सिंह की वीरता और युद्ध संचालन का आतंक बैठ गया। अंत में सितंबर मास में, बिल्कुल निराश होकर, शफ शिकन खाँ ने गोकुलसिंह के पास संधि-प्रस्ताव भेजा। गोकुल सिंह ने औरंगजेब का प्रस्ताव अस्वीकार करते हुए कहा कि औरंगजेब कौन होता है हमें माफ करने वाला, माफी तो उसे हम हिन्दुओं से मांगनी चाहिए उसने अकारण ही हिन्दू धर्म का बहुत अपमान किया है।

औरंगजेब को गोकुल सिंह से इस प्रकार के जबाव की आशा नही थी इसलिए उंसके मथुरा आकार डेरा डालने का मन बना गोकुलसिंह सहित सभी एकत्र हो चुके हिंदु किसानों को सबक सिखाने की ठानी ओर इन लोगों के प्रति नफरत की आग में आक्रोश से भरा वह 28 नवम्बर 1669 को दिल्ली से चलकर खुद मथुरा आया ओर वहाँ अपनी छावनी बनाई और अपने सेनापति होशयार खाँ को एक मजबूत एवं विशाल सेना के साथ युद्ध के लिए भेजा। आगरा शहर का फौजदार होशयार खाँ 1669 सितंबर के अंतिम सप्ताह में अपनी-अपनी सेनाओं के साथ आ पहुंचे। यह विशाल सेना चारों ओर से गोकुलसिंह को घेरा लगाते हुए आगे बढने लगी। गोकुलसिंह के विरुद्ध किया गया यह अभियान, उन आक्रमणों से विशाल स्तर का था, जो बड़े-बड़े राज्यों और वहां के राजाओं के विरुद्ध होते आए थे। इस वीर के पास न तो बड़े-बड़े दुर्ग थे, न अरावली की पहाडियाँ और न ही महाराष्ट्र जैसा विविधतापूर्ण भौगोलिक प्रदेश। इन अलाभकारी स्थितियों के बावजूद, उन्होंने जिस धैर्य और रण-चातुर्य के साथ, एक शक्तिशाली साम्राज्य की केंद्रीय शक्ति का सामना करके, बराबरी के परिणाम प्राप्त किए, वह सब अभूतपूर्व है।

इतिहास साक्षी है उस समय गोकुल सिंह जाट के आप मात्र 20 हजार किसानों की सेना थी जिनके पास मुगल शासक औरंगजेब की तरह मुक़ाबला करने के लिए तोपें, धनुर्धरों, हाथियों से सुसज्जित तीन लाख लोगों की विशाल सेना का मुक़ाबला करने के लिए कुछ भी तैयारी नही थी, ये 20 हजार किसान ओरंगजेब की 3 लाख विशाल सेना से भयंकर युद्ध करने लगे, इनकी हिम्मत के सामने ओरंगजेब अपनी 3 लाख सैनिकों को तैनात कर खुद युद्ध में उतरा था। 20 हजार इस भारीभरकम सेना से दिनरात चार दिन तक भयंकर युद्ध करते रहे। गोकुल सिंह की छोटी सी अवैतनिक सेना अपने बेढंगे और घरेलू हथियारों के बल पर ही अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित और प्रशिक्षित मुगल सेना पर भारी पड़ रही थी। भारत में एक नए इतिहास लिखने की शुरुआत गोकुलसिंह जाट द्वारा की जा चुकी थी ओर कहा जाता है की देश के इतिहास में इतनी विशाल सेना के सामने ऐसे घमासान युद्ध कम हुए हैं जहाँ कई प्रकार से बाधित और कमजोर पक्ष, इतने शांत निश्चय और अडिग धैर्य के साथ युद्ध लड़ते दिखे हो। हल्दी घाटी के युद्ध का निर्णय कुछ ही घंटों में हो गया था। पानीपत के तीनों युद्ध एक-एक दिन में ही समाप्त हो गए थे, परन्तु वीरवर गोकुलसिंह का युद्ध चौथे दिन भी चला। इस लड़ाई में सिर्फ पुरुषों ने ही नहीं, बल्कि उनकी स्त्रियों ने भी पराक्रम दिखाया। चार दिन के युद्ध के बाद जब गोकुल सिंह की सेना युद्ध जीतती हुई प्रतीत हो रही थी तभी हसन अली खान के नेतृत्व में एक नई विशाल मुगलिया टुकड़ी आ गई और इस टुकड़ी के आते ही गोकुल की सेना हारने लगी। युद्ध में अपनी सेना को हारता देख हजारों नारियाँ जौहर की पवित्र अग्नि में खाक हो गई।

1 जनवरी 1670 ईस्वी का वह मनहूस दिवस आया जब गोकुल सिंह और उनके ताऊ उदय सिंह को हसनआली खान की टुकड़ी सहित औरंजज़ेव की सेना के लोगों ने घेर लिया ओर उनके शस्त्र छिन लिए तब तक 13 हजार किसान मारे जा चुके थे बचे सात हजार किसान साथियों सहित सभी बंदी बनाकर आगरा में औरंगजेब के सामने पेश किए गए। औरंगजेब ने कहा "जान की खैर चाहते हो तो इस्लाम कबूल कर लो और रसूल के बताए रास्ते पर चलो। बोलो, क्या इरादा है इस्लाम या मौत? अधिसंख्य धर्म-परायण हिन्दुओं ने एक सुर में कहा – औरंगजेब, अगर तेरे खुदा और रसूल मोहम्मद का रास्ता वही है जिस पर तू चल रहा है तो धिक्कार है तुझे, हमें तेरे रास्ते पर नहीं चलना, इतना सुनते ही औरंगजेब के संकेत से गोकुल सिंह की बलशाली भुजा पर जल्लाद का बरछा चला। गोकुल सिंह ने एक नजर अपने भुजा विहीन रक्तरंजित कंधे पर डाली और फिर बड़े ही घमण्ड के साथ जल्लाद की ओर देखा और कहा दूसरा वार करो। दूसरा बरछा चलते ही वहाँ खड़ी जनता आर्तनाद कर उठी और फिर गोकुल सिंह के शरीर के एक-एक जोड़ काटे गए।

गोकुल सिंह का सिर जब कटकर धरती माता की गोद में गिरा तो मथुरा में केशवराय जी का मंदिर भी भरभराकर गिर गया। यही हाल उदय सिंह और बाकि साथियों का भी किया गया। छोटे-छोटे बच्चों को जबरन मुसलमान बना दिया गया। ऐसे अप्रतिम वीर का कोई भी इतिहास नहीं पढ़ाया गया और न ही कहीं कोई सम्मान ही दिया गया। गोकुल सिंह सिर्फ जाटों के लिए शहीद नहीं हुए थे न उनका राज्य ही किसी ने छीन लिया था, न कोई पेंशन बंद कर दी थी, बल्कि उनके सामने तो अपूर्व शक्तिशाली मुगल सत्ता, दीनतापूर्वक, संधि करने की तमन्ना लेकर गिड़गिड़ाई थी। केवल जाट पुरुष ही नहीं बल्कि उनकी वीरांगनायें भी अपनी ऐतिहासिक दृढ़ता और पारंपरिक शौर्य के साथ उन सेनाओं का सामना करती रही। हम ऐसे अप्रतिम वीर को कागज के ऊपर भी सम्मान नहीं दे सके। दुर्भाग्य की बात है कि भारत की इन वीरांगनाओं और सच्चे सपूतों का कोई उल्लेख शाही टुकड़ों पर पलने वाले तथाकथित इतिहासकारों ने नहीं किया।

आत्माराम यादव पीव

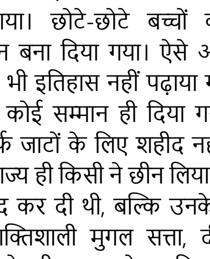

दवाओं का बाजारीकरण: जीवन रक्षक से मुनाफा साधन तक

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी 2025: भारत में दवाओं की अनियंत्रित कीमतों में बढ़ोतरी ने आम आदमी के स्वास्थ्य अधिकारों को गहरे संकट में डाल दिया है। यह समस्या केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक मूल्यों पर भी सवाल खड़े करती है। जिस देश में हर नागरिक का स्वास्थ्य एक बुनियादी अधिकार होना चाहिए, वहां दवाएं मुनाफे का साधन नहीं, बल्कि जीवन रक्षक बननी चाहिए। लेकिन आज, मुनाफाखोरी और बाजार आधारित व्यवस्था ने स्वास्थ्य को एक महंगे उत्पाद में बदल दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर साल लाखों लोग महंगी दवाओं के चलते समय पर इलाज से वंचित रह जाते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ता है, जिनके लिए एक मामूली बीमारी भी आर्थिक आपदा का रूप ले लेती है।

भारत में दवा उद्योग का इतिहास गौरवशाली और प्राचीन है। स्वतंत्रता के बाद, देश में दवा निर्माण उद्योग ने तेज़ी से प्रगति की और आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाए। लेकिन 1990 के दशक में आर्थिक उदारीकरण के बाद, यह उद्योग प्रतिस्पर्धा और मुनाफाखोरी का केंद्र बन गया। आज भारत विश्व में जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्यातक है, जो वैश्विक स्वास्थ्य के लिए अहम योगदान देता है। इसके बावजूद, घरेलू बाजार में दवाओं की बढ़ती कीमतें एक गंभीर चुनौती बनकर उभरी हैं, जो आम नागरिक की पहुंच से दवाओं को दूर कर रही हैं।

दवा उद्योग में बड़े कॉरपोरेट्स का बढ़ता वर्चस्व इस समस्या को और भी पेचीदा बना देता है। ये कंपनियां न केवल सरकारों पर दबाव बनाती हैं, बल्कि अपने मुनाफे को बढ़ाने के लिए डॉक्टरों और अस्पतालों के साथ गहरे गठजोड़ करती हैं। कई शोध और रिपोर्ट्स ने यह उजागर किया है कि दवा कंपनियां डॉक्टरों को महंगे उपहार, विदेश यात्राओं और कमीशन का लालच देती हैं, जिससे डॉक्टर महंगी और अक्सर गैर-जरूरी दवाएं लिखते हैं। इसका सबसे बड़ा खामियाजा आम मरीजों को भुगतना पड़ता है, जिन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ती है। नतीजतन, हर साल हजारों परिवार चिकित्सा खर्चों के कारण गरीबी रेखा से नीचे धकेल दिए जाते हैं, जो एक गहरी सामाजिक और आर्थिक त्रासदी का रूप ले चुका है।

सरकार को इस जटिल समस्या का समाधान खोजने के लिए दृढ़ और ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने की प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत होनी चाहिए, ताकि उनकी कीमत उत्पादन लागत और उचित मुनाफे के बीच संतुलित रहे। भारत को वैश्विक स्तर पर सफल मॉडल्स से प्रेरणा लेनी चाहिए। उदाहरणस्वरूप, कनाडा में सरकार दवाओं की कीमतों को सीधे नियंत्रित करती है, और वहां जेनेरिक दवाओं का एक सुदृढ़ बाजार मौजूद है। क्यूबा में दवाएं बेहद कम कीमत पर उपलब्ध कराई जाती हैं, और स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से सरकारी नियंत्रण में हैं। अमेरिका और यूरोप के कई देशों में नियामक संस्थाएं दवाओं की कीमत तय करती हैं, जिससे ये सस्ती और सुलभ बनती हैं। जापान और थाईलैंड जैसे एशियाई देशों ने भी सरकारी हस्तक्षेप के जरिए सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता दी है। भारत को इन उदाहरणों से सीखते हुए एक प्रभावी और व्यापक नीति लागू करनी होगी, ताकि हर नागरिक को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकार सुनिश्चित हो सके।

भारत में दवाओं की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण पाने के लिए सरकारी दवा निर्माण इकाइयों की स्थापना एक सुदृढ़ और दीर्घकालिक समाधान हो सकता है। केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने इस मॉडल को अपनाकर सफलता की मिसाल पेश की है, जहां दवाओं की कीमतें बाजार मूल्य की तुलना में 10-15% तक कम हैं। इस प्रभावी मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जा सकता है। साथ ही, प्रधानमंत्री जन औषधि योजना जैसे प्रयास सही दिशा में कदम हैं, लेकिन इनकी पहुंच और प्रभावशीलता को और अधिक व्यापक बनाने की आवश्यकता है। जन औषधि केंद्रों की संख्या को हर जिले और ब्लॉक तक बढ़ाकर, दवाओं की गुणवत्ता और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना अनिवार्य है।

नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (NPPA) ने दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कई नियम बनाए हैं, लेकिन यह निजी कंपनियों के आर्थिक और कानूनी दबाव के कारण अपने उद्देश्य में पूरी तरह सफल नहीं हो सका है। NPPA को और अधिक शक्तियां प्रदान कर यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि दवाओं की कीमतें उत्पादन लागत के अनुकूल हों और मुनाफाखोरी पर अंकुश लगे। तकनीकी समाधान भी इस समस्या को हल करने में सहायक हो सकते हैं। एक केंद्रीयकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म की स्थापना, जहां मरीज दवाओं की वास्तविक कीमत, गुणवत्ता और निकटतम जन औषधि केंद्र की जानकारी प्राप्त कर सकें, पारदर्शिता लाने का प्रभावी उपाय हो सकता है। इसके अलावा, दवा निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल (Active Pharmaceutical Ingredients - APIs) की कीमतों पर कड़ी निगरानी रखना जरूरी है। सरकार को छोटे और मझोले दवा निर्माताओं को वित्तीय और तकनीकी सहायता देकर उत्पादन लागत को कम करने में मदद करनी चाहिए। इन कदमों से न केवल दवाओं की कीमतों में स्थिरता आएगी, बल्कि हर नागरिक के लिए सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकेंगी।

लोगों में जागरूकता की कमी भी दवाओं की कीमतों से जुड़ी समस्या को जटिल बनाती है। ब्रांडेड दवाओं को अधिक प्रभावी मानने की गलत धारणा के कारण लोग जेनेरिक दवाओं पर विश्वास नहीं कर पाते। इस मानसिकता को बदलने के लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाना आवश्यक है, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि सस्ती जेनेरिक दवाएं भी ब्रांडेड दवाओं जितनी ही प्रभावी और सुरक्षित होती हैं। साथ ही, इन दवाओं की गुणवत्ता को और बेहतर बनाकर जनता का विश्वास अर्जित करना होगा।

दवाओं की बढ़ती कीमतों का समाधान आसान नहीं है, लेकिन यह असंभव भी नहीं है। इसके लिए मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, ठोस और प्रभावी नीतियां, और विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। भारत, जिसे "दुनिया की फार्मेसी" कहा जाता है, अपनी विशाल उत्पादन क्षमता का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहा है। यदि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं और दवा उद्योग को लेकर एक समग्र और दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाती है, तो न केवल दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण पाया जा सकता है, बल्कि हर नागरिक को सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकार सुनिश्चित किया जा सकता है। यह कदम भारत को वैश्विक स्वास्थ्य क्षेत्र में और भी मजबूत और प्रेरणादायक उदाहरण बना सकता है।

प्रो. आर.के. जैन "अरिजीत"
बड़वानी (म.प्र.)

नकली दुनिया की पोल खोलता आईआईटी बाबा 'अभय सिंह'

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी 2025: "एक आईआईटीयन इतना मूर्ख कैसे हो सकता है कि अपनी उच्च-भुगतान वाली, आलीशान नौकरी छोड़ दे? वह अपनी दो डिग्रियाँ कैसे बर्बाद कर सकता है?" और फिर मुझे समझ में आया कि "बचपन का सदमा" शब्द बहुत सारे नकारात्मक अर्थ रखता है। उनके साक्षात्कार वीडियो पर टिप्पणियाँ पढ़कर मुझे और भी बुरा लगा। जहाँ कई लोग उनकी प्रशंसा कर रहे थे, वहीं दूसरे लोग उन्हें नज़रअंदाज़ कर रहे थे। यहाँ मेरा उद्देश्य किसी भी तरह से उनका बचाव करना नहीं है। उनके पास सब कुछ था: सबसे अच्छी औपचारिक शिक्षा, सबसे अच्छी नौकरी, विदेश यात्रा, गर्लफ्रेंड और रिश्ते। फिर उन्होंने अपने अंदर खालीपन महसूस किया और संन्यास की राह पर चलने का फ़ैसला किया। लॉकडाउन के कारण वे कनाडा में ही फंस गए। इस बार उन्होंने अपने जीवन पर अधिक चिंतन करना शुरू किया। वे सही कहते हैं कि बहुत से माता-पिता केवल अपने बच्चों को जन्म देते हैं और उनके पालन-पोषण के बारे में ज़्यादा नहीं सोचते। अभय सिंह चाहते तो अपने आईआईटी के नाम का इस्तेमाल एक सफल व्यवसाय शुरू करने और बाबा बनने के लिए कर सकते थे। हमने बहुत से आध्यात्मिक गुरुओं को देखा होगा जो ख़ुद को मार्केट करने के लिए आईआईटी, आईआईएम टैग का इस्तेमाल करते हैं।

एक दिन जब मैंने आईआईटी बाबा अभय सिंह का वीडियो देखा तो मेरा नज़रिया पूरी तरह बदल गया। मान लीजिए कि आपके पास सब कुछ है: आईआईटी बॉम्बे की डिग्री, एक आशाजनक एयरोस्पेस इंजीनियरिंग करियर और एक ऐसा जीवन जिसकी ज़्यादातर लोग सिर्फ़ कल्पना कर सकते हैं। लेकिन हमेशा की तरह चलने के बजाय, उन्होंने ऐसा चुनाव किया जिसने सभी को चौंका दिया। उन्होंने ज़्यादा आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए सब कुछ त्याग दिया। पहले तो मुझे यक़ीन ही नहीं हुआ—कोई इतना उज्ज्वल भविष्य क्यों छोड़ेगा?—लेकिन जैसे-जैसे मैंने उन्हें बात करते सुना, सब कुछ समझ में आने लगा। उन्होंने जीवन में एक वास्तविक उद्देश्य, शांति और अर्थ खोजने के महत्त्व पर चर्चा की—ऐसी चीज़ें जिन्हें कोई भी धन या सफलता कभी नहीं खरीद सकती। यह एक शक्तिशाली कहानी थी। इसने मुझे यह एहसास दिलाया कि जीवन सिर्फ़ समाज की अपेक्षाओं को पूरा करने या भीड़ का अनुसरण करने के बारे में नहीं है, बल्कि अपना रास्ता खोजने के बारे में है। मैंने पहले सोचा, "एक आईआईटीयन इतना मूर्ख कैसे हो सकता है कि अपनी उच्च-भुगतान वाली, आलीशान नौकरी छोड़ दे? वह अपनी दो डिग्रियाँ कैसे बर्बाद कर सकता है?" और फिर मुझे समझ में आया कि "बचपन का सदमा" शब्द बहुत सारे नकारात्मक अर्थ रखता है। उनके साक्षात्कार वीडियो पर टिप्पणियाँ पढ़कर मुझे और भी बुरा लगा। जहाँ कई लोग उनकी प्रशंसा कर रहे थे, वहीं दूसरे लोग उन्हें नज़रअंदाज़ कर रहे थे। यहाँ मेरा उद्देश्य किसी भी तरह से उनका बचाव करना नहीं है। चलिए आगे की बात करते हैं।

बहुत शोर मचाया जा रहा है कि आईआईटी बाबा ने सरकारी फ़ंड वाली सीट बरबाद कर दी। मेरी राय में जो लोग ऐसा कहते हैं, उन्हें कुछ बुनियादी बातों को समझने की ज़रूरत है। बहुत ज़्यादा पढ़ाई करने के बाद, अभय सिंह को आईआईटी में दाखिला मिल गया और उन्होंने अपनी डिग्री हासिल की। उन्होंने कोर्स में कोई बाधा नहीं डाली। फिर, इस तर्क से,आईआईटी के बाद एमबीए और यूपीएससी करने वालों ने सीटें बरबाद कर दीं। तो फिर, मुझे बताइए कि उन्होंने सीटें कैसे बरबाद कीं। अगर उन्होंने कोर्स पूरा नहीं किया होता, तो भी यह तर्क कुछ हद तक सही होता, लेकिन चूँकि उन्होंने एयरोस्पेस इंजीनियरिंग पूरी की है, इसलिए किसी को यह दावा नहीं करना चाहिए कि उन्होंने अपनी सीट बरबाद कर दी। देखिए कि उनका नज़रिया कितना बेहतरीन है। उनके पास सब कुछ था: सबसे अच्छी औपचारिक शिक्षा, सबसे अच्छी नौकरी, विदेश यात्रा, गर्लफ्रेंड और रिश्ते। फिर उन्होंने अपने अंदर खालीपन महसूस किया और संन्यास की राह पर चलने का फ़ैसला किया। मुझे कहना होगा कि वे एक ईमानदार व्यक्ति लगते हैं। वे हरियाणा के मूल निवासी हैं। झज्जर, हरियाणा में ही उनका जन्म हुआ। उनकी माँ घर पर रहती हैं जबकि उनके पिता वकालत करते हैं। उन्होंने अपनी शिक्षा के लिए झज्जर में पढ़ाई की। वे कम उम्र से ही एक असाधारण छात्र थे। उन्होंने आईआईटी बॉम्बे से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की। फिर उन्हें तीन लाख रुपये का पैकेज मिला और वे अपनी नौकरी के लिए कनाडा चले गए। लॉकडाउन के कारण वे कनाडा में ही फंस गए। इस बार उन्होंने अपने जीवन पर अधिक चिंतन करना शुरू किया।

भारत आने के बाद, वे एक नए आध्यात्मिक मार्ग पर चल पड़े। वे बहुत-सी तीर्थयात्राओं पर गए। वे अपनी वर्तमान जीवनशैली से संतुष्ट नहीं थे। इसलिए वे बहुत आध्यात्मिक हो गए। वे हमेशा अपना घर छोड़ना चाहते थे। वे ज़ोर देकर कहते थे कि सभी माता-पिता दिव्य प्राणी नहीं होते। वे सही कहते हैं कि बहुत से माता-पिता केवल अपने बच्चों को जन्म देते हैं और उनके पालन-पोषण के बारे में ज़्यादा नहीं सोचते। आध्यात्मिक शब्दावली में वह चीज़ जो सब कुछ पार कर जाती है उसे "सत्य" कहा जाता है। उन्होंने यहाँ तक कहा कि हर कोई मेरी आईआईटी डिग्री को ही दर्शाता है। मैं उस पर ध्यान आकर्षित नहीं करना चाहता। व्यक्तिगत रूप से, मैं उससे कहीं ज़्यादा हूँ। उनके माता-पिता को छह महीने पहले ब्लॉक कर दिया गया था। उन्होंने सत्य की खोज में सभी सांसारिक सुखों से मुंह मोड़ लिया। उन्होंने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए आध्यात्मिकता की ओर अपनी यात्रा शुरू की। चूँकि उन्होंने होशपूर्वक जीवन ज़िया और चले गए, इसलिए उनके विचार बहुत शुद्ध हैं। इसलिए, कृपया उन्हें पाखंडी कहना बंद करें। अपनी आध्यात्मिक यात्रा में, वे अविश्वसनीय रूप से ईमानदार और प्रतिबद्ध हैं। सत्य और जीवन के उद्देश्य की निरंतर खोज के माध्यम से ही औसत व्यक्ति आध्यात्मिकता से प्रबुद्ध होता है। यू ट्यूबर ने बाबा अभय सिंह का साक्षात्कार लिया। इसके बाद, उन्होंने खुलासा किया कि आध्यात्मिकता को आगे बढ़ाने के लिए सब कुछ छोड़ने से पहले वे आईआईटी में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल कर रहे थे।

अभय सिंह चाहते तो अपने आईआईटी के नाम का इस्तेमाल एक सफल व्यवसाय शुरू करने और बाबा बनने के लिए कर सकते थे। हमने बहुत से आध्यात्मिक गुरुओं को देखा होगा जो ख़ुद को मार्केट करने के लिए आईआईटी,आईआईएम टैग का इस्तेमाल करते हैं। इंटरव्यू के दौरान, अभय सिंह ने पहले रिपोर्टर को यह भी नहीं बताया कि वह एक आईआईटीयन हैं। अपनी शैक्षिक पृष्ठभूमि के बारे में रिपोर्टर के सवाल के जवाब में, अभय सिंह ने जवाब दिया, "हाँ, मैं आईआईटी बॉम्बे से हूँ।" अभय सिंह ने सच की तलाश करके वाकई एक मिसाल क़ायम की है। आप उनके इंस्टाग्राम पर जाकर देख सकते हैं कि वह कितने ज्ञानी हैं। प्रशंसा वास्तव में उस व्यक्ति की है जिसने सब कुछ त्याग दिया है और आध्यात्मिक मार्ग पर चल रहा है। उसने सत्य की खोज में सभी सांसारिक सुखों से मुंह मोड़ लिया। उन्होंने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए आध्यात्मिकता की ओर अपनी यात्रा शुरू की। "जो शून्य हैं वही शिव से मिल सकते हैं" उनके दो उद्धरणों में से एक है जिसे मैं हमेशा याद रखूँगा। कहाँ जाओगे चलते चलते? यहीं आओगे।" आखिरकार मुझे इस नकली दुनिया में कोई सच्चा मिल गया।

डॉ. सत्यवान सौरभ

मध्यप्रदेश सरकार सारी अड़चनें दूर करके अपने कर्मचारियों व पेंशनर्स को 53 प्रतिशत समय पर महंगाई भत्ता-राहत देंवे

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी 2025: सच्ची कलम कौन लिखेगा - कहीं से आवाज आई, हम लिखेंगे, बुजुर्ग पेंशनर्स के लिए, सेवारत सेवकों के लिए लिखेंगे, पैनी कलम की तीखी धार लिखेंगी, मांगेंगे अधिकार से, हमेशा मध्यप्रदेश सरकार महंगाई भत्ता, सरकारी सेवकों को देरी से क्यों देती है। पेंशनर्स को महंगाई राहत केंद्रीय सेवकों-शासकीय पेंशनरों एवं मध्यप्रदेश के नियमित सेवकों को देने के बहुत महिने बीत जाने के बाद क्यों देती है। पिछली बार भी आठ व नो महिने बीत जाने के बाद महंगाई राहत दी थी व बकाया आठ-नो माह का एरियर भी नहीं दिया। जबकि मुफ्त योजनाओं पर करोड़ों रूपए खर्च किया। यह ज्यादती केवल मध्यप्रदेश के शासकीयसेवकों व पेंशनरों के साथ क्यों, यह कुठाराघात क्यों हो रहा है। सरकार जानबूझकर अनजान सी क्यों है। इसलिए मध्यप्रदेश सरकार सारी अड़चनें दूर करके अपने कर्मचारियों व पेंशनर्स को 53 प्रतिशत समय पर महंगाई राहत प्रदान करें।

केंद्रीय सेवकों व पेंशनरों को अभी 53 प्रतिशत महंगाई भत्ता व पेंशनरों को महंगाई राहत समय से मिल रही हैं मगर मध्यप्रदेश सरकार ने अभी तक महंगाई भत्ता व राहत नहीं दिया। देरी से देना बुरी आदत सी हो गई। महंगाई लगातार बढ़ती जा रही और पेंशनर्स के पिछले 27 माह, 32 माह और पिछली दो बार के 8 व 9 माह के बकाया एरियर की राशि भी देने से वंचित कर लाखों-करोड़ों की राशि प्रदेश सरकार ने बचा ली। इस ज्यादती पर सरकार मौन क्यों है? यह पूछता है हरेक सरकारी पेंशनर्स इस मध्यप्रदेश के और कर्मचारी संगठनों में कोई खलबली नहीं, ठंडे पड़े हैं, कमजोर पड़े हैं। महात्वाकांक्षी सोये पड़े हैं, नेतृत्व सोसाइटी, संस्थाओं, पेढ़ियों में व्यस्त हैं। कर्मचारियों, पेंशनरों में जागृति का जोश नहीं जिससे संगठन कमजोर हो रहे हैं केवल नेतृत्व की जागृति नहीं, जिनके लिए लड़ाई करते हैं उनको भी जागरूक होकर संगठनों में जोश भरना होगा तभी संगठन प्रबल होंगे।

पेंशनर्स को तो राज्य पुनर्गठन आयोग की बनाई धारा 49.6 के प्रावधान की अफसरों द्वारा गलत व्याख्या समझते-समझाते लकीर के फकीर बनते और ज्यादती स्वरूप मप्र-छग आपस में सहमति मांगकर, सारे पेंशनर्स को लगातार ठगे जा रहे हैं। ऐसी नूराकुश्ती देखी नहीं देश-दुनिया में कहीं भी नहीं। ये ठगी कब तक चलेगी। ऐसा प्रावधान पेंशनर्स की खराब आर्थिक हालत का सबब बना हुआ है। महंगाई पेंशनर्स को लगातार अपनी मार से मारे जा रही है।

विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के पेंशनर्स नरेश चंद्र कुमावत का कहना हैं कि छत्तीसगढ़ पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड रायपुर अपने पेंशनर्स को केन्द्र सरकार के आदेश जारी होने पर अधिनियम 49.6 की गाइड लाइन का पालन किए बिना ही तत्काल महंगाई राहत जारी कर रही है। केवल हमारी एमपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड जबलपुर छत्तीसगढ़ राज्य सरकार से अनुमोदन की प्रतीक्षा कर रहे पेंशनर्स को महंगाई राहत का भुगतान नहीं कर रही है। समझ में नहीं आ रहा है कि हम अनुमोदन की प्रतीक्षा क्यों कर रहे हैं, जबकि छत्तीसगढ़ के पेंशनर्स एमपी विद्युत मण्डल के पूर्व अधिकारी/कर्मचारी हैं। इस मामले में एमपी सरकार भोपाल के ऊर्जा सचिव के साथ-साथ पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड जबलपुर के मुख्य प्रबंध निदेशक के साथ छत्तीसगढ़ पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड रायपुर की विद्यमान गाइड लाइन का पालन करने के लिए बैठक की व्यवस्था करें, ताकि हम भी पेंशनर्स के लिए वही गाइड लाइन अपना सकें। इसके अलावा मेरे विचार में पेंशनर्स एसोसिएशन के संघ द्वारा बार-बार किए गए अनुरोध के बावजूद भी लाड़ली बहना योजना जारी करने के लिए आय का स्रोत होने के कारण एमपी सरकार द्वारा अधिनियम 49.6 को नहीं हटाया जाएगा। राज्य सरकार से अधिनियम 49.6 को हटाने के लिए कहा गया था, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई है, इसलिए छत्तीसगढ़ पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड रायपुर की गाइड लाइन को देखते हुए हमारी कंपनी को भी इसका पालन करना चाहिए।

मदन वर्मा "माणिक"
इंदौर, मध्यप्रदेश

डॉ. हेमंत शरद पांडेय ने डब्ल्यूसीएल का कार्मिक निदेशक का पद ग्रहण किया

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (नागपुर): कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के नये कार्मिक निदेशक डॉ. हेमंत शरद पांडे ने पदभार ग्रहण किया, पदभार ग्रहण करने के उपरांत, उन्होंने सीएमडी जे. पी. द्विवेदी से मुलाकात किया, सीएमडी ने नये कार्मिक निदेशक को बधाई तथा भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं दिया,

इस अवसर पर सभी निदेशकगण एवं सीवीओ भी उपस्थित रहे, कार्मिक निदेशक का पद संभालने से पूर्व, डॉ. हेमंत शरद पांडे साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के रायगढ़ क्षेत्र में क्षेत्रीय महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे, डॉ. हेमंत शरद पांडे नागपुर के विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्था से माइनिंग इंजीनियरिंग में स्नातक है, उन्होंने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री और माइनिंग में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी की डिग्री प्राप्त किया है, उन्हें मैनेजमेंट विषय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी पीएचडी भी हासिल हैं,

डब्ल्यूसीएल के कार्मिक निदेशक प्रबंधन एवं नेतृत्व कौशल को सुदृढ़ करने की उद्देश्य से यूरोप के शीर्ष बिजनेस स्कूल 'ईएससीपी' में एडवांस्ड ग्लोबल टेक्नो मैनेजमेंट प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा फ्रांस, जर्मनी, स्विट्ज़रलैंड, बेल्जियम और नीदरलैंड जैसे देशों का दौरा भी किया है। उन्होंने टोरंटो, कनाडा में प्रॉस्पेक्टर्स एंड डेवेलपर्स एसोसिएशन की विभिन्न व्यापारिक बैठकों में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में भाग लिया है,

डॉ. हेमंत शरद पांडेय ने अपने करियर की शुरुआत अगस्त 1989 में डब्ल्यूसीएल में, जूनियर एग्जीक्यूटिव ट्रेनी के रूप में किया, डब्ल्यूसीएल में 19 वर्षों के कार्यकाल के दौरान उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं में अपनी सेवा दिया, इस अवधि में उन्होंने खनन प्रौद्योगिकी, भूमि अधिग्रहण और औद्योगिक संबंधों के मुद्दों को संभालने में विशेषज्ञता हासिल किया,

डॉ हेमंत शरद पांडे को कोल इंडिया लिमिटेड की विभिन्न अनुषंगी कंपनियों में 35 वर्षों का दीर्घ अनुभव प्राप्त है, उन्हे इन-पिट क्रशिंग सिस्टम में साइलो के द्वारा डिस्पैच तथा प्रणाली में पारदर्शिता व दक्षता बढ़ाने, आईटी पहलों के क्रियान्वयन, सौर ऊर्जा इकाई की स्थापना, विभिन्न सीएसआर गतिविधियों का क्रियान्वयन के लिए विशेष रूप से जाना जाता है, वर्ष 2022 में, उन्हें कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ महाप्रबंधक' पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया था, उनका अनुभव डब्ल्यूसीएल के लिए उपयोगी साबित होगा.

यूरोप क्यों पिछड़ रहा है?

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (दिल्ली): यह सच है कि यूरोप पहले ही दो विश्व युद्धों में शामिल होकर अपना राजनीतिक वर्चस्व खो चुका है। लगभग सभी उपनिवेशों को आज़ादी मिल गयी है फिर भी यूरोप कड़ी मेहनत, इंजीनियरिंग में नवाचार और समृद्ध वित्तीय बाजारों के माध्यम से पिछली सदी के अंत तक अपना आर्थिक वर्चस्व फिर से हासिल करने में कामयाब रहा। एक ब्लॉक के रूप में, यूरोप वर्तमान में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है लेकिन यह अपना आर्थिक दबदबा खो रहा है।

जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था इस वक्त तेजी से बढ़ रही है, यूरोपीय संघ संघर्ष कर रहा है। जर्मनी और फ्रांस दोनों ही आर्थिक मंदी में हैं। जर्मनी जो यूरोपीय संघ की अर्थव्यवस्था का पावर हाउस है, ने पिछले साल नकारात्मक 0.2% जीडीपी विकास दर दर्ज की। इसने 2023 में 0.3% की नकारात्मक वृद्धि दर दर्ज की।

इंटरनेट के कारण हुए तकनीकी विकास का यूरोप पूरा लाभ नहीं उठा सका। इसने वास्तव में इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखा। यह इंटरनेट प्रौद्योगिकियों के उत्पादकता लाभों को पूरी तरह से प्राप्त नहीं कर सका। दूसरी ओर, अमेरिका अमेज़न, ऐप्पल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल की बदौलत इंटरनेट प्रौद्योगिकियों का पूरा लाभ पाने में कामयाब रहा।

2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान, अमेरिकी सरकार और अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दर को कम करके और अर्थव्यवस्था में नए धन के संचलन द्वारा आसान धन नीति अपनाई। ग्राहक उधार लेते रहे और उसे खर्च करते रहे। कॉरपोरेट्स ने भी कारोबार में निवेश जारी रखा। इस प्रकार अमेरिका को शीघ्र ही वित्तीय संकटों से छुटकारा मिल गया।

दूसरी ओर यूरोपीय संघ ने अपनी राजकोषीय और मौद्रिक नीति में मितव्ययिता अपनाई, ग्राहकों ने वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान अनिश्चितता के

कारण अधिक धन बचाने का भी सहारा लिया। इसलिए कम बचत, कम निवेश के परिणामस्वरूप कम उत्पादन और कम आय हुई। यूरोपीय संघ ने खुद को आर्थिक जड़ता के दुष्चक्र में पाया और आज तक वही स्थिति है। विभिन्न यूरोपीय देशों में आर्थिक गिरावट अब सामाजिक और राजनीतिक अशांति में परिणत हो रही है।

यूरोप इस समय बहुत कठिन आर्थिक स्थिति में है। यह सच है कि यह अभी भी दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है लेकिन इसके नीति निर्माताओं को अपने तरीके सुधारने होंगे और नई औद्योगिक, राजकोषीय और मौद्रिक नीतियां अपनानी होंगी। अब, चीन ने पहले ही विनिर्माण क्षेत्र में बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। अर्थव्यवस्था में उत्पादकता सुधारने के लिए नई प्रौद्योगिकियों के विकास पर ध्यान केंद्रित करना होगा। ग्राहकों को अधिक उधार लेने और अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित करने के लिए आसान धन नीति अपनाई जानी चाहिए। यदि ग्राहक अधिक खर्च करते हैं तो इससे अर्थव्यवस्था में मांग उत्पन्न होगी जो कॉरपोरेट्स को वस्तुओं और सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए और अधिक निवेश करने के लिए प्रेरित करेगी जिससे यूरोपीय अर्थव्यवस्था ऊपर उठेगी।

संजय सोंधी उप सचिव
भूमि एवं भवन विभाग
दिल्ली सरकार।

(यह आलेख लेखन सहायक जीतेन्द्र सिंह के सहयोग से लिखा गया है)

पंचायत सचिव एवं कार्यपालक सहायक के साथ बीडीओ ने किया बैठक, दिये कई निर्देश

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड कार्यालय स्थित ट्रायसेम भवन सभागार में बीडीओ अभिमन्यु कुमार के अध्यक्षता में पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक एवं कार्यपालक सहायक के साथ साप्ताहिक बैठक आयोजित की गई।

इस दौरान उन्होंने सभी कार्यपालक सहायक को नियमित रूप से पंचायत कार्यालय में समय से पहुंचने एवं प्राप्त आवेदन का ससमय निष्पादन सुनिश्चित करने को निर्देशित दिया।

साथ हीं सभी पंचायत के पंचायत सचिव को कबीर अंत्येष्टि, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में अधिक से अधिक आवेदन निष्पादित करने व 15वीं और षष्टम वित्त अंतर्गत चल रहे योजनाओं में तेजी लाने और भुगतान सुनिश्चित करने को निर्देश दिया गया।

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी के लिए डोर टू डोर प्रचार किया

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (नई दिल्ली): दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार अंतिम दौर में पहुंच चुका है, केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में डोर टू डोर कैंपेन के माध्यम से तिमारपुर विधानसभा के विभिन्न मोहल्लों में जनता से संवाद कर एक विकसित और समृद्ध दिल्ली के लिए जनता से भाजपा को चुनने की अपील किया, इस अवसर पर मंत्री के साथ स्थानीय नेताओं और जनता ने अपार समर्थन दिया और इस बार 5 फरवरी को आप दा सरकार से मुक्ति दिलाने के लिए भाजपा प्रत्याशी को वोट देने की बात कही,

मालूम हो कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में जब से भाजपा ने केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे को पूर्वांचल का प्रभारी बनाया है, तब से दिल्ली विधानसभा चुनाव में पूर्वांचल के लोगों ने अपनी सरकार चुनने के लिए और समाज के लोगों को एकजुट करने के लिए लगातार कार्य कर रहे है.

सत्य, अहिंसा, सेवा, परोपकार का पालन करने से गृहस्थ आश्रम में सुखी रहा जा सकता है

माया तो छाया है, इसको पाने की इच्छा में फंसना नहीं चाहिए

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (सीतापुर, उत्तर प्रदेश): विश्व विख्यात निजधाम वासी बाबा जयगुरुदेव जी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी, वक्त गुरु परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने सीतापुर जिले के खैराबाद आश्रम पर दिए सतसंग में बताया कि पहले के समय में लोग महात्माओं के पास जाकर पाप-पुण्य की जानकारी करते थे। आत्मा जब दु:खी रहती है तो शरीर को सुख नहीं मिलता है। अमावस्या-पूर्णिमा पर दान-पुण्य करने से सुगम फल मिलता है। धार्मिक रूप से पवित्र मानी जानी वाले नदियों में स्नान करने से शारीरिक लाभ मिलता है तथा देवी-देवताओं को भेंट चढ़ाने से लोगों में धर्म के प्रति आस्था जगती और बढ़ती है।

धन को अच्छे काम में लगाने से बरकत मिलती है

धन से किया गया पाप जैसे जुआ खेलने, चोरी करने, दूसरे के हिस्सा खाने पर मन वही करता है। अगर उन पाप कर्मों को काटा ना जाए तो बरकत नहीं मिल पाती है। बाबाजी ने कहा कि गृहस्थ

में बचे हुए धन को यदि अच्छे कामों में जैसे नंगे, भूखे, प्यासे, दुखियों की मदद करने में लगाते हैं तो बरकत मिलती रहती है। कुछ लोग स्वार्थपरता में जानवरों की बलि दे देते हैं, उसे अच्छा काम मानते हैं। जबकि जीव हत्या के पाप के फल स्वरूप ऐसे लोगों का दु:ख दूर नहीं होता, साथ ही अनजान में किए गए पाप का भी फल भुगतना पड़ता है। इसीलिए सभी जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों के जीवन की रक्षा करनी चाहिए। लोगों को सोचना चाहिए कि यदि सब लोग शाकाहारी हो जाएं तो जानवरों को काटना बंद हो जाएगा।

ज्यादा लोभ और लालच में नहीं फंसना चाहिए

जैसे मदारी चने को बिखेर कर डाल देता है तो बंदर चने को खाता है और ज्यादा चने खाने की इच्छा वश, लालची होकर पास रखे हुए पतले मुँह के मटके में अपना हाथ फंसा लेता है, बंदर फंस जाता है और मदारी उसे पकड़ कर गली-गली में नचाता है। उसी तरह मनुष्य मरकट सम अनाड़ी बन गया है। कहा गया - "मरकट सम तुम बने अनाड़ी, मुट्ठी दीन्हा घड़े पसारी" यानी इंसान लोभ-लालच के चक्कर में पड़कर मरकट (बंदर) के समान अनाड़ी बन गया है, माया के पीछे भाग रहा है पर माया तो छाया है, इसको पाने की इच्छा में फंसना नहीं चाहिए। सब काम को कर लो लेकिन इसमें फंसो नहीं।

बीमारी व तकलीफों में आराम देने वाला नाम- 'जयगुरुदेव'

किसी भी बीमारी, दुःख, तकलीफ, मानसिक टेंशन में शाकाहारी, सदाचारी, नशामुक्त रहते हुए "जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव" की ध्वनि रोज सुबह-शाम बोलिए व परिवार वालों को बोलवाइए और फायदा देखिए।

अधिकारों में कटौती के खिलाफ त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों ने किया पटना में प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: पटना के मिलर हाई स्कूल में त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों ने मुखिया महा संघ के प्रदेश अध्यक्ष मिथिलेश राय के नेतृत्व में 20 सूत्री मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। इस अधिकार रैली में बिहार के सभी जिलों के त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों के समर्थन में शामिल हुए।

वहीं प्रखण्ड मुखिया संघ अध्यक्ष रमेश टुडू ने बताया की इस अधिकार रैली के माध्यम से विभिन्न जिलों से पहुंचे प्रतिनिधियों ने अपनी आवाज को बुलंद किया।

प्रदर्शन में प्रमुख संघ प्रदेश अध्यक्ष रश्मि कुमारी, मुखिया संघ प्रदेश महासचिव अरविंद साह, प्रदेश उपाध्यक्ष झुंपा सिंह, सरपंच संघ अध्यक्ष वरुण गोस्वामी, मुखिया लक्ष्मण यादव, महादेव मंडल, अंबिका मंडल, अगहनु मंडल, सरपंच राज नारायण मंडल सहित अन्य त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि शामिल हुए।

शिबलीबाड़ी में इन दिनों चोरों का बढ़ा मनोबल

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (निरसा): शिबलीबाड़ी में इन दिनों चोरों का मनोबल इतना बढ़ गया कि लोगों के घरों से मोबाइल तो मोबाइल बाहर खड़े गाड़ियों से बैटरी चोरी का भी मामला तेजी से प्रकाश में आ रहा है।जिससे लोगों में चोरों के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों के द्वारा चोरी की घटना की लिखित शिकायत पुलिस को तो दी जाती है फिर भी पुलिस अनदेखी कर देती है। जिससे ग्रामीणों में काफी डरे सहमे होने का असर देखा जा रहा है। आपको बताते चले कि एक ताजा मामला शिबलीबाड़ी उत्तर पंचायत के अंसार मोहल्ला का है। जो बीते रात मोहम्मद फैयाज पानी वाले का टेंपो घर के सामने खड़ा रहने पर चोरों ने मौका का फायदा उठाते हुए टैम्पों में लगे बैटरी चुराकर ले गए। वहीं उन्होंने बताया कि पिछले कई बार मेरे घर में चोरों ने चोरी का अंजाम दे चुके हैं। जिसकी लिखित शिकायत पुलिस को देने के बाद भी पुलिस आज तक चोर को नहीं पकड़ पाई और न ही सामान दिला पाई। आज फिर मेरे साथ चोरी की घटना घट गई।

कुमारधुबी क्रिकेट क्लब ने झारखंड इंस्टिट्यूट ऑफ़ क्रिकेट भूली धनबाद को भारी अंतर से हराया

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (निरसा): डीसीए द्वारा आयोजित ए डिविजन क्रिकेट लीग में कुमारधुबी क्रिकेट क्लब ने झारखंड इंस्टिट्यूट ऑफ़ क्रिकेट भूली धनबाद को 244 रनों के भारी अंतर से रौंदते हुए दूसरी विजय दर्ज की।

मंगलवार को कुमारधुबी कोलियरी खेल मैदान में खेले गए 43 ओवर के इस लीग मैच में टॉस जीतकर झारखंड इंस्टिट्यूट ऑफ़ क्रिकेट भूली, धनबाद ने पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कुमारधुबी क्रिकेट क्लब ने 38.5 ओवर में 310 बनाए। कुमारधुबी के विशाल राज ने 67 , रूपक कुमार यादव ने 89, तथा दीपक कुमार ने 56 रन बनाए। धनबाद की ओर से प्रेम कुमार गोस्वामी ने पांच तथा प्रिंस कुमार ने दो विकेट लिए। जवाबी पारी खेलते हुए धनबाद की टीम 14.4 ओवर में महज 66 रन पर ढेर हो गई। झारखंड इंस्टिट्यूट का कोई भी बल्लेबाज बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सका। कुमारधुबी के सनी कुमार ने तीन ,अमित कुमार यादव ने दो तथा इरफान खान ने तीन विकेट लिए। अपनी टीम की लगातार दूसरी बड़ी जीत पर कुमारधुबी क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष सह झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के आजीवन सदस्य अभिजीत घोष ,पूर्व जिला क्रिकेटर संजय यादव ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

मुखिया मलका मेहर का प्रयास रंग लाया

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (निरसा): शिबलीबाड़ी उत्तर पंचायत की मुखिया मलका मेहर निगार का प्रयास रंग लाया है। जर्जर हो चुके बिजली के तारो को बदलकर नया विद्युत केबल लगाने का कार्य सोमवार 26 जनवरी से शुरू हो गया।

मुखिया मलका मेहर निगार ने कहा कि इस कार्य के लिए मैंने बहुत दिनों से प्रयास किया था, विगत एक-डेढ़ वर्ष पहले मैथन मोड़ के समीप विद्युत् कार्यालय में ऊर्जा मेला का आयोजन हुआ था. उस दौरान भी मैंने आवेदन दिया था. इसके आलावा एसडीओ को भी अनेको पर आवेदन दिया गया था.

उन्होंने कहा कि हमारे पंचायत में विद्युत् तार की स्थिति काफी जर्जर अवस्था में है. जिससे कभी भी कोई बड़ी घटना घट सकती है. जिसे देखते हुए हमने लगातार प्रयास करते हुए विद्युत् तारो को बदलवाने का कार्य शुरू करवाया है, लगभग दो महीने के भीतर पुरे पंचायत क्षेत्र में जर्जर विद्युत् तारो को बदलकर नए केबल तार लगाए जायेगे.

मुखिया मलका मेहर निगार ने इस कार्य के लिए विद्युत् विभाग के जेई, एसडीओ व तमाम अधिकारियो व कर्मचारियों का धन्यवाद किया.

सेवा भारती सर्व समाज का सामूहिक विवाह समारोह आयोजित करेगी

डॉ. शंभू पंवार

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (चिड़ावा): सेवा भारती समिति चिड़ावा की जिला बैठक समिति के जिलाध्यक्ष विष्णु कांत अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई। संघ कार्यालय में आयोजित बैठक में सेवा भारती के प्रांत संगठन मंत्री द्वारका प्रसाद जी का मार्गदर्शन मिला। बैठक में आगामी अक्षय तृतीया को सर्व समाज का सामूहिक विवाह समारोह आयोजित करने का निर्णय किया गया ।जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर परिवार सर्व समाज की बेटीयों का विवाह सेवा भारती करवायेगी।

बैठक में जिला मंत्री महेंद्र कुमार सैनी, जिला सह मंत्री नरेश कुमार वर्मा, जिला उपाध्यक्ष डॉ अनीता मोदी, व ओमप्रकाश टेलर स्वास्थ्य आयाम प्रमुख डॉ. अशोक शर्मा, सेवा राम गुप्ता, वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर अंतरराष्ट्रीय लेखक, पत्रकार डॉ शंभू पंवार, शिक्षाविद् एवं प्रसिद्ध समाजसेवी प्रोफेसर केएम मोदी, सुरेश जलेन्द्रा, शालिनी गुप्ता, स्वाति गुप्ता, संदीप शास्त्री, संजय गोयल, सुभाष व्यास, संदीप शर्मा, सुरेंद्र कौशिक, डॉ.बी एल वर्मा हरीश सोलंकी रामनिवास वर्मा, प्रवीण वर्मा, रामकिशन सैनी सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हर पाठक बोल उठेगा– यात्री हुए हम

पुस्तक समीक्षा

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी 2025: ऊर्जा व्यक्ति को स्थिर नहीं रहने देती है, बिल्कुल मुक्त इलेक्ट्रॉन की तरह। मुक्त इलेक्ट्रॉन यदि कहीं से ऊर्जा ग्रहण कर लेता है तो भ्रमण के लिए उतावला हो उठता है और निकल पड़ता है अपने अगले पड़ाव की ओर। ठीक ऐसे ही यदि किसी व्यक्ति को कहीं से सही और सटीक मात्रा में ऊर्जा मिल जाए तो वह निश्चित रूप से कहीं न कहीं यात्रा पर निकल ही पड़ता है। परंतु यह ऊर्जा कैसे मिले, कौन यह ऊर्जा प्रदान करे, किससे हम ऊर्जा ग्रहण कर पाएंगे, क्या यह ऊर्जा हमारी यात्रा के लिए परिस्थितियों को अनुकूल कर पाएगी, इन सभी सवालों का सटीक जवाब मिल सकता है वरिष्ठ साहित्यकार प्रमोद दीक्षित मलय द्वारा संपादित यात्रा वृत्तान्त पर चर्चित पुस्तक "यात्री हुए हम" को पढ़कर।

उत्तर प्रदेश की बेसिक शिक्षा में कार्यरत 40 शिक्षक- शिक्षिकाओं के यात्रा वृत्तांत के मोतियों को एक सूत्र में पिरोकर निर्मित यह पुस्तक आपको नई–नई तरह के ऊर्जा स्रोतों से परिचित कराएगी। इस पुस्तक में कभी आपको हिमालय की ठंडक अपनी और आकर्षित करेगी तो कभी पूर्वोत्तर की खूबसूरती; कभी देश भर के ऐतिहासिक स्थल आपको गौरवान्वित होने के लिए बुलाते नजर आएंगे तो कभी दक्षिण भारत के तमाम प्राकृतिक सौंदर्य आपके अंतर्मन को सहलाकर अपना सान्निध्य प्रदान करने के लिए प्रेरित करेंगे; शैक्षिक यात्राएं आपको कुछ नया करने के लिए प्रेरित करेंगी तो धार्मिक यात्राएं और आस्था के केंद्र मंदिर आपको भक्ति भाव में सराबोर करने के लिए अपने पास आने का आह्वान करेंगे।

गैर समुद्रतटीय क्षेत्र के लोगों का गर्मी के मौसम में पसंदीदा डेस्टिनेशन होता है हिमालय। सिडनी बुरार्ड नामक भूगर्भशास्त्री ने नदियों के आधार पर हिमालय को चार भागों में विभाजित किया है। सिंधु नदी से लेकर सतलज नदी के मध्य फैले कश्मीर हिमालय के विभिन्न प्राकृतिक और धार्मिक स्थलों यथा

जम्मू, श्रीनगर, अमरनाथ का सूक्ष्म अवलोकन आप रश्मि मिश्रा, अभिलाषा गुप्ता, प्रीति भारती, साधना मिश्रा और डॉ. कुमुद सिंह के चश्मों से कर पाएंगे। सतलज नदी से लेकर भारत और नेपाल सीमा के मध्य विवाद के केंद्र में रहे काली नदी तक फैले कुमाऊं हिमालय के अंतर्गत केदारनाथ, ऋषिकेश, उत्तरकाशी दून और द्वार घाटी आदि के नैसर्गिकता और धार्मिकता को आप अनीता मिश्रा, कुहू बनर्जी, सुनीता वर्मा, डॉ. वंदना मिश्रा, प्रज्ञा राय, डॉ. रचना सिंह आदि के शब्दों से महसूस कर सकेंगे। श्रुति त्रिपाठी, दीप्ति राय दीपांजलि, अर्चना सागर, मीरा रविकुल के वृत्तांत काली नदी से लेकर तीस्ता नदी तक विस्तृत नेपाल हिमालय के प्रमुख स्थल नेपाल, सिक्किम, दार्जिलिंग के दर्जनों धार्मिक और दुर्गम स्थलों के रोमांच से भरकर आपको आकर्षित करेंगे।

दक्षिण भारत त्रिभुजाकार आकृति में लगभग 6100 किमी की समुद्री तटरेखा से घिरा हुआ विशाल क्षेत्र है जो वर्ष भर सदाबहार तापमान, विशिष्ट भौगोलिक स्थिति और समृद्ध विरासत के कारण लाखों लोगों को यात्री बनने पर विवश करता है। मुंबई, बंगलुरू, कुर्ग, कोच्चि, तिरूअनंतपुरम, कोयंबटूर, विशाखापत्तनम आदि शहरों के शानदार मानसिक भ्रमण आप इस पुस्तक में प्रेमनाथ नागर, हरियाली श्रीवास्तव, स्मृति दीक्षित, डॉ. सुमन गुप्ता, रश्मि तिवारी, मोनिका सिंह के लेखों के सान्निध्य में कर सकते हैं। वहीं मध्य प्रदेश के चार प्रमुख स्थलों भीमबेटका, पचमढ़ी, भेड़ाघाट और दतिया के दिव्य दर्शन आपको संतोष कुशवाहा, कुमुद, अशोक प्रियदर्शी और प्रमोद दीक्षित मलय के यात्रा वृत्तान्त के माध्यम से होंगे।

पुस्तक: यात्री हुए हम
विधा : यात्रा वृत्तान्त
संपादक: प्रमोद दीक्षित मलय
प्रकाशक: रुद्रादित्य प्रकाशन, प्रयागराज
पृष्ठ: 224, मूल्य : ₹495/-

सीमा मिश्रा की बिठूर, प्रतिमा यादव की चित्रकूट संगोष्ठी और कमलेश कुमार पाण्डेय की चुनारगढ़ यात्रा आपको अपने पढ़ाई के दौरान की गई शैक्षिक यात्राओं की याद दिलाएगी तो रिम्पू सिंह की अमृतसर, मंजू वर्मा की पुष्कर और विवेक पाठक की जयपुर यात्राएं आपको इतिहास के पन्ने पलटने के लिए विवश कर देंगी। यात्राओं के लिए प्रेरित करने वाले ऊर्जा स्रोतों में धार्मिक आस्था एक प्रमुख स्रोत है। यह पुस्तक भी धार्मिक यात्राओं से अछूती नहीं है। दीपक कुमार गुप्ता की कामाख्या, सुधा रानी की माउंट आबू, वंदना श्रीवास्तव की उज्जैन महाकाल, कविता शर्मा की सोमनाथ ज्योतिर्लिंग दर्शन यात्रा पाठक को धार्मिक यात्राओं के लिए प्रेरित करती हैं। माधुरी त्रिपाठी की अयोध्या तक नाव की यात्रा, डॉ. प्रज्ञा त्रिवेदी की मोहास स्थित हनुमान मंदिर यात्रा, राजेंद्र प्रसाद राव की बिहार पदयात्रा अलग प्रकार का विशिष्ट अनुभव प्रदान करती है।

इनरलाइन पास और दूर दुर्गम दुरुस्त जैसे प्रसिद्ध यात्रा संस्मरणों के लेखक उमेश पन्त की यात्रा वृत्तान्त के ऐतिहासिक महत्त्व को रेखांकित करती हुई भूमिका ने पुस्तक में चार चांद लगाये हैं तो रुद्रादित्य प्रकाशन प्रयागराज द्वारा उच्च गुणवत्ता के पृष्ठों पर सुंदर व स्वच्छ छपाई और नीतीश कुमार के शानदार कवर डिजाइन ने पुस्तक को आकर्षक बना दिया है। प्रमोद दीक्षित मलय के संपादकीय लेख ने पुस्तक की कल्पना से लेकर तैयारी, प्रशिक्षण, नवोदित लेखकों द्वारा शानदार लेखन, संपादन और रचना तक के दुरूह सफर को रेखांकित किया है। इस पुस्तक को पढ़कर पाठक विभिन्न प्रकार की मानसिक यात्राएँ तो करेंगे ही, साथ ही साथ भौतिक यात्राओं के लिए भी अवश्य प्रेरित होंगे। यह पुस्तक नवीन यात्रा वृत्तान्त लेखकों और शोधार्थियों के लिए भी अत्यंत उपयोगी है, ऐसा मेरा विश्वास है।

दुर्गेश्वर राय
समीक्षक शिक्षक एवं साहित्यकार हैं।
गोरखपुर, उ.प्र.

बच्चे संस्कारवान बने- गहलोत

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (बागसीन): राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय बागसीन शिवगंज में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि पुरन सिंह देवड़ा पूर्व संरपच अध्यक्षता शिक्षक नेता धर्मेन्द्र गहलोत एवं विशिष्ट अतिथि मंछाराम, तेज सिंह, गणेशाराम, मोहनलाल भील, दीपाराम, युसुफ खां, सोहनलाल, रमेश खत्री, राजाराम मीणा के आतिथ्य में धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

शिक्षक नेता एवं प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि बच्चों में शिक्षा के साथ समाज व परिवार में सहयोगात्मक भावना जागृत हो। साथ ही शिक्षा क्षेत्र में सहयोग करने वाले भामाशाह का धन्यवाद ज्ञापित किया। जिस तरह कार्यक्रम में बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों पर भी विद्यालय परिवार की मेहनत झलकती हैं। विधालय में बालिकाओं के नामाकन में भी प्रधानाध्यापक द्वारा विशेष प्रयास सहरानीय है। बच्चों को शिक्षा या मनपसन्द क्षेत्र में रुचि से आगे बढ़ने की आवश्यकता जताई।

इस अवसर पर संस्था प्रधान हिम्मतमल माली ने बच्चों की पुरे वर्ष की विभिन्न क्षेत्रों में गतिविधियों व भामाशाह के विद्यालय विकास की सहभागिता पर विस्तार से सम्बोधित किया है। कार्यक्रम संचालन संस्था प्रधान हिम्मतमल माली ने किया। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षक शंकरलाल बाना, दीपा सैनी, मैत्री, सुमन गोयल, रीमा कुमारी, झुमर लाल, कृष्णा मीना आदि ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

इदम न मम

भाग-1

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी 2025: सुख और संतोष का मूल आकांक्षाओं की उपेक्षा है क्योंकि आकाश के समान अनंत इच्छाएं, ख्वाहिशें, अरमान कभी भी पूरे नही होते हैं। हम व्रत, संकल्प साधना एवं संयम आदि के द्वारा व सीमाकरण आदि के विवेक से इनका अल्पीकरण करना सीखे। हम अपने जीवन की चादर में अहम की सीलन, व्यवहार की रजाई में ईर्ष्या की गंध को संतोष के बसंती ऋतु में पसरी धूप में सुखा दे। वह इससे हमारे अपने जीवन की हर आकांक्षा की पूर्ति हो जायेगी। बीत जाती है यूँ ही पूरी जिन्दगी, जोङ-घटाव के अन्तहीन ख्याली पुलाव में। उलझते ही जाते है सच्चाई जानते हुए भी, खुद के बुने हुए मक्कङ जाल मे। मोह-माया के अदृश्य पाश मे बंधे हर इन्सान की कमोबेश यही कहानी है। भरोसा पल का भी नहीं, फिर भी लगे हुए हैं सात पीढी की सलामती के जंजाल मे। इस जगत में जो कुछ भी है या संसार की सभी चीजें अस्थायी हैं उसमें हमारा कुछ भी नहीं है। इस संसार में आदमी सबसे मतिमान है, उसको मानसिक शक्ति मति ही दे सकती है। इसका मूल बीज सजगता, जागरूकता है। अत: सजगता ही मुख्य रूप से शक्तिदाता है पर विडंबना है कोई इस ओर कभी ध्यान ही नहीं देते हैं। वह सभी और-और के सांसारिक झंझटों में ही उलझे रहते हैं। हमें इन्हीं सब कष्टों से उबरने के लिए अपनी शक्ति को पहचानना जरूरी है। वह उसके लिए सजगता को जानना आवश्यक है। हम सजगता से हमारे द्वारा लगातार हो रहे कर्मों का मन ही मन हर पल, हर क्षण निरीक्षण करते रहें। हमसे यदि भूल किसी भी कारण हो जाए तो हम उसे हल्का कर उसका प्रायश्चित भी उसी क्षण ले। हम कभी न रखें यह उसूल कि आज नहीं कल आज की भूल सुधार लेंगे। हमारे में से कोई नहीं जानता कि कल का समय यह काल देगा कि नहीं इसलिए हम मानव! अभी की भूल को अभी ही प्रायश्चित कर सँभाल ले यही हमारे लिए उचित है। हमको हमारे जीवन में यह ध्यान रहे कि कर्मों के खेल में ना बादशाह चलता है, ना इक्का चलता है। यहॉं तो बस कर्मों का सिक्का चलता है। इदम न मम एक संस्कृत श्लोक का अंश है जिसका अर्थ है कि यह मेरा नहीं है। हमारे जीवन में सदैव जिज्ञासा रहने से ज्ञान को बढाने की इच्छा बनी रह्ती है। वह हमारे द्वारा किसी भी विषय को सही से समझने की उत्सुकता पैदा होती है और आगे से आगे जानने की सजगता रहती है। ज्ञान असीम और अनंत है। (क्रमशः आगे)

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

भ्रष्टाचार की जड़-कर्मचारी, मंत्री द्वारा थर्ड पार्टी से की गई मिलीभगत व सांठगांठ, शासन से की गई गद्दारी धोखाधड़ी है

आओ मिलीभगत छोड़ सत्य निष्ठा ईमानदारी से अपने पद की जवाबदेही निभाने की शपथ लें

शासकीय कर्मचारी, मंत्री का पद और कुर्सी उसकी रोजी-रोटी का साधन है, मिलीभगत सांठगांठ कर पाए भ्रष्टाचार का फ़ल उन्हें जरूर मिलेगा-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर भ्रष्टाचार शब्द सदियों से चला आ रहा है।भारत में तो यह सैकड़ों साल पूर्व अंग्रेजों के ज़माने से ही चला रहा है, परंतु अब इस शब्द के साथ एक नई थीम मिलीभगत व साठगांठ जुड़ गई है जो हमें अब कई बार सुनाई देता है कि सब मिलीभगत है और कुछ नहीं। कई न्यायालयों से भी कमेंट आता है कि आप उसकी मदद ही नहीं कर रहे हैं, आपकी उसके साथ मिलीभगत है। अनेक बार अनेक राज्यों में कई पुल गिर जाते हैं या भयानक हादसों में भी टीवी चैनलों पर जो बयान आते हैं उसमें अनेक खामियों को देखते हुए वहां भी मिलीभगत शब्द का प्रयोग किया जा रहा है दिनांक 25 जनवरी 2025 को मिली भगत के चलते ही श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे योशिता राजपक्षे को शनिवार को पुलिस ने संपत्ति खरीद मामले में भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार कर लिया इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से भ्रष्टाचार में मिलीभगत और उसे तोड़ने के लिए हम चर्चा करेंगे भ्रष्टाचार की जड़-कर्मचारी मंत्री द्वारा थर्ड पार्टी से की गई मिलीभगत व सांठगांठ, शासन से की गई गद्दारी धोखाधड़ी है।

साथियों बात अगर हम प्रैक्टिकली अनेक शासकीय विभागों में उनके कार्यालयों में देखें तो हमें बाबू से लेकर बड़े अधिकारियों द्वारा चकरें खिलाए जाते हैं कुछ अपवाद छोड़ दें तो यह स्थिति करीब-करीब हर कार्यालय में देखने को मिलती है, इसलिए हमारे दिमाग में बात आती है सब मिलीभगत है, क्योंकि हम अगर वही काम किसी बिचौलिए या दलाल के थ्रू करने जाते हैं तो नीचे से ऊपर तक का काम हाथों-हाथ हो जाता है इसीलिए हम फिर सोचते हैं कि यह मिलीभगत नहीं तो फिर क्या है? खास करके शासकीय कार्यालयों का मुझे निजी अनुभव है कि कैसे मिलीभगत काम होता है।

साथियों बात अगर हम हर पद पर बैठे बाबू से लेकर उच्च अधिकारी की करें तो उन्हें हर वर्क को केंद्रीय सतर्कता आयोग के माध्यम से हर कार्यालय द्वारा जागरूकता सप्ताह बनाकर सत्य निष्ठा और ईमानदारी की शपथ दिलाई जाती है और करीब-करीब हर कार्यालय अपने कर्मचारियों अधिकारियों को शपथ दिलाता है अगर वास्तव में इन कर्मचारियों द्वारा शपथ का पालन किया जाता है तो मिली भगत का नाम ही नहीं आएगा क्योंकि जब भ्रष्टाचारी नहीं होगा तो मिलीभगत यानें नीचे से ऊपर तक की चेन ही टूट जाएगी इसके लिए हर स्तर के अधिकारी बाबू चपरासी से लेकर मंत्री तक को यह शपथ लेनी होगी और सभी शासकीय कार्यों को सभी पहलुओं में सत्य निष्ठा पारदर्शिता और सुशासन के उच्चतममानकों को बनाए रखने के लिए सटीक नेतृत्व हर कार्यालय के प्रमुख को करना होगा।

साथियों बात अगर हम मिलीभगत की करें तो यह अधिकतम शासकीय मामलों भ्रष्टाचार और राजनीतिक क्षेत्रों में अधिक सुनने को मिलता है मेरा मानना है कि पद आसीन बाबू से लेकर अधिकारी को अपना माइंडसेट इस सत्य निष्ठा से करना होगा कि यह पद रूपी अन्नदाता हमारी रोजी-रोटी प्रदान करता है इसके साथ गद्दारी मंजूर नहीं इसका संकल्प तो हम हर वर्ष जागरूकता सप्ताह मनाने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी परंतु जरूरत है इसे निष्पादन करने की वैसे अंग्रेज़ी से अनुवाद किया गया कॉन्टेंट-मिलीभगत दो या दो से अधिक पार्टियों के बीच एक कपटपूर्ण समझौता या गुप्त सहयोग है जो दूसरों को उनके कानूनी अधिकार को धोखा देकर, गुमराह करने या धोखा देकर खुली प्रतिस्पर्धा को सीमित करता है। मिलीभगत को हमेशा अवैध नहीं माना जाता है। क्योंकि तकनीकी रूप से, अगर हम विभिन्न आपराधिक विधियों की खोज करेंगे, तो हमें मिलीभगत शब्द नहीं मिलेगा लेकिन सांठ गांठ करना और कानून को तोड़ना भी संभव है।

साथियों बात अगर हम मिलीभगत सांठगांठ से भ्रष्टाचार के कनेक्शन की करें तो, व्यावसायिक धोखाधड़ी एक कर्मचारी द्वारा अपने रोजगार के दौरान शासन के साथ की गई धोखाधड़ी है। वे अधिक आम हैं और तीसरे पक्ष द्वारा की गई धोखाधड़ी की तुलना में शासन को अधिक वित्तीय नुकसान पहुंचाते हैं।चूंकि कर्मचारी शासन में काम करना जारी रखेंगे, इसलिए वे आम तौर पर इन धोखाधड़ी को स्थायी रूप से छिपाने की कोशिश करेंगे, जिसका अर्थ है कि शासकीय धोखाधड़ी लंबे समय तक की जा सकती है। मिलीभगत और रिश्वतखोरी योजनाएं क्या हैं?, यह वह स्थिति है जब कोई कर्मचारी किसी अन्य पक्ष (चाहे वह शासन के बाहर से हो या अंदर से) के साथ मिलकर कर्मचारी के रूप में अपनी भूमिका का उपयोग करके व्यक्तिगत लाभ प्राप्त करता है। मिलीभगत से धोखाधड़ी शासन की पुस्तकों से बाहर होती है। यानी, आमतौर पर शासन के रिकॉर्ड में किसी भी गतिविधि को छिपाने की आवश्यकता नहीं होती है। सबसे आम तौर पर ज्ञात मिलीभगत धोखाधड़ी रिश्वतखोरी है - किसी विशिष्ट कार्य को प्रभावित करने के लिए दी गई कोई चीज़ - चाहे किसी कार्य के किए जाने के बाद दी गई हो या भविष्य में कोई लाभ या जानकारी प्राप्त करने के लिए दी गई हो। मिलीभगत भी हितों के टकराव की धोखाधड़ी हो सकती है। हालाँकि इन धोखाधड़ी में ज़रूरी नहीं कि कोई अलग तीसरा पक्ष शामिल हो, लेकिन वे कर्मचारी को कर्मचारी के अलावा किसी अन्य भूमिका में शामिल करेंगे|

साथियों बात अगर हम मिलीभगत और सांठगांठ को प्रैक्टिकल वे में देखने की कोशिश करें तो, रिश्वतखोरी धोखाधड़ी (1) बोली या टेंडर में हेराफेरी (2) रिश्वत या गुप्त कमीशन, रिश्वत का इस्तेमाल भ्रष्ट कर्मचारी के हस्तक्षेप के माध्यम से दूसरों पर अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए किया जाता है। रिश्वत किसी निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्रभाव के बदले में किसी अन्य पक्ष द्वारा निर्णयकर्ता या निर्णय प्रभावित करने वाले को मूल्यवान वस्तु देना है। रिश्वत और निर्दोष वाणिज्यिक विपणन के बीच एक ग्रे क्षेत्र है। किसी के साथ व्यावसायिक संबंध बनाने या विपणन करने का प्रयास कहाँ रिश्वत बन जाता है? व्यावहारिक उत्तर यह है कि क्या शासन को व्यक्ति द्वारा प्रस्तावित लाभ प्राप्त करने के बारे में जानकारी है और क्या उसने इसके लिए स्वीकृति दी है। शासन की जानकारी और सहमति के बिना, संभावना है कि किसी कर्मचारी द्वारा लाभ प्राप्त करना रिश्वत के रूप में देखा जा सकता है। उत्तर का दूसरा भाग यह है कि क्या लाभ किसी विशिष्ट निर्णय को सीधे प्रभावित करने के लिए दिया जा रहा है या समग्र संबंध बनाए रखने के लिए। मिलीभगत सांठ गांठ से रिश्वतखोरी कैसे की जाती है। बेईमान कर्मचारी रिश्वत देने वाले से रिश्वत लेता है। आम तौर पर पैसे का इस्तेमाल किया जाता है,लेकिन मूल्यवान कोई भी चीज़ (उपहार, मनोरंजन, कर्मचारी या उनके रिश्तेदारों के लिए छुट्टियाँ, बिलों का भुगतान,यौन एहसान आदि) रिश्वत के रूप में दी जा सकती है। फिर रिश्वत लेने वाला रिश्वत देने वाले को फ़ायदा पहुँचाने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करेगा। रिश्वतखोरी के तीन मुख्य प्रकार हैं: (ए) ओवर- बिलिंग योजनाएं- ओवर- बिलिंग योजनाएँ आमतौर पर खरीद अनुबंधों से संबंधित होती हैं। कर्मचारी को उस आपूर्तिकर्ता को दूसरों पर वरीयता देने के लिए रिश्वत दी जाती है। आपूर्ति की गई वस्तुएँ या सेवाएँ या तो उनकी कीमत से अधिक हो सकती हैं, या अपेक्षा से कम गुणवत्ता वाली हो सकती हैं। खरीद अनुबंध में अन्य छिपी हुई लागतें, शुल्क या उच्च मूल्य भिन्नताएँ भी हो सकती हैं। वास्तव में, व्यवसाय आपूर्ति के लिए बहुत अधिक भुगतान करता है, और यह अधिक मूल्य निर्धारण रिश्वत से कमाया गया लाभ है। (बी) कम कीमत वाली योजनाएं-अंडर-प्राइसिंग स्कीम ओवर- बिलिंग स्कीम के विपरीत हैं। इनमें आमतौर पर व्यवसाय द्वारा पार्टियों को सामान और सेवाएँ ऐसी कीमतों पर बेची जाती हैं जो सामान्य रूप से दी जाने वाली कीमतों से कम या कम अनुकूल शर्तों पर होती हैं। खरीदार को लाभ यह होता है कि उन्हें बेहतर सौदा मिलता है, जिसके वे अन्यथा हकदार होते। इस मामले में व्यवसाय को अपने उत्पाद या सेवा के लिए बहुत कम प्रतिफल मिलता है क्योंकि वे कम कीमत पर बेचे जाते हैं, और लागत बचत रिश्वत से होने वाला लाभ है।(ग) अनुबंध, पदोन्नति आदि प्रदान करना-इन योजनाओं में ऐसी शर्तों पर अनुबंध प्रदान करना शामिल है जो व्यवसाय के लिए सबसे अनुकूल नहीं हैं। वे अधिक लागत पर हो सकते हैं, कम गुणवत्ता वाली सामग्री शामिल कर सकते हैं और / या ऐसी शर्तें हो सकती हैं जो नियोक्ता के लिए सबसे अनुकूल नहीं हैं। इसमें व्यवसाय के भीतर कर्मचारियों को पदोन्नति देना भी शामिल है - जहां रिश्वत देने वाले को अन्य अधिक योग्य लोगों से ऊपर पदोन्नत किया जाता है - या अनुपयुक्त कर्मचारियों को काम पर रखा जाता है। सीखने योग्य सबक-(1) सभी नुकसान संसाधनों की चोरी से नहीं होते। भ्रष्ट कर्मचारी द्वारा किए गए कपटपूर्ण निर्णयों से भी शासन को नुकसान हो सकता है। (2) मिलीभगत से की गई धोखाधड़ी में रिकॉर्ड में दर्ज किए जाने वाले किसी भी लेनदेन को हटाया या छिपाया नहीं जाता। केवल अकाउंटिंग रिकॉर्ड की जांच करके इस तरह की धोखाधड़ी का पता लगाने की संभावना बहुत कम है। (3) मिलीभगत की योजनाएं शासन चक्र के किसी भी क्षेत्र पर हमला कर सकती हैं, जहां कोई कर्मचारी बाहरी पक्षों के साथ लेन-देन करता है, लेकिन इसमें केवल शासन के भीतर के कर्मचारी और आंतरिक लेनदेन ही शामिल हो सकते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे की मिलीभगत आओ मिलीभगत छोड़ सत्य निष्ठा और ईमानदारी से अपने पद की जवाबदेही निभाने की शपथ ले शासकीय कार्यों में सभी पहलुओं में सत्य निष्ठा पारदर्शिता और सुशासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए सटीक नेतृत्व जरिए जरूरी है|

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

वर्षा और बाँध

गरजती-चमकती
बिजलियों से अब डर नहीं लगता
अपने पसीने से सींचे हुए
खेतों में लगे अंकुरों को देखकर
लगने लगा
हमने जीत ली है
सिंचाई योजनाओं के आधार पर
बादलों से जंग।

वृक्ष कब से खीचते रहे
बादलों को
अब पूरी हुई उनकी मुरादें
पहाड़ो पर लगे वृक्ष
ठंडी हवाओं के संग
देने लगे है
बादलों के संग
सिंचाई योजनाओं को दुआएँ।

पानी की फुहारों से
सिंचाई परियोजनाओं से
सज गई धरती की
हरी -भरी थाली
और आकाश में सजा इन्द्रधनुष
उतर आया हो
धरती पर
बन के थाली पोष।

वर्षा की खुशहाली
बांधों में पानी भर जाने से
छाई हरियाली चहुँओर
हरी-भरी थाली के कुछ अंश
नैवेद्य के रूप में ईश्वर को
समर्पित कर देता
किसान
श्रद्धा के रूप में
शायद, ये प्रकृति की पूजा का
फल है।

संजय वर्मा "दृष्टि"
कोलफील्ड मिरर

वैद्य जंयत शर्मा आयुर्वेद में उत्कृष्ट उपलब्धि पर गणतंत्र दिवस पर सम्मानित

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी (चिड़ावा): 76वे गणतंत्र दिवस पर सूरजगढ उपखंड स्तर पर आयोजित समारोह में उपखंड अधिकारी सुशील सैनी ने आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि के लिए वैद्य जंयत शर्मा को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि वैद्य जंयत शर्मा (संचालक परायणी नाड़ी वैद्यराज श्री छोटेलाल आरोग्यमृ सूरजगढ़) ने आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में नये अनुसंधान कर तीन विश्व रिकॉर्ड दर्ज करने पर उपखंड स्तर पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में कार्यवाहक उपखंड अधिकारी सुशील सैनी ने सम्मानित किया है। विदित हो कि वैद्य जंयत शर्मा शेखावाटी क्षेत्र के जाने-माने वैद्यराज स्वर्गीय छोटेलाल जी के पड़पौत्र व वैद्य दयाशंकर के सुपुत्र है। वैद्यराज छोटेलाल जी की विरासत को बसूखी निभाते हुए जनसेवा कर रहे हैं। उनको यह सम्मान मिलने पर श्री श्याम सेवा समिति पिलानी के व्यवस्थापक अरुण भौमिया बिल्लू व वरिष्ठ पत्रकार सामाजिक चिंतक राजेंद्र शर्मा झेरलीवाला, विप्र सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश बसावतिया व राजस्थान गौड़ ब्राह्मण महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष उमाशंकर महमिया, राजस्थान गौड़ महासभा के झुंझुनूं जिलाध्यक्ष पवन शर्मा, विप्र नेता पवन पुजारी, ललित जोशी, नवलगढ़ भाजपा नेता शंकरलाल शर्मा ने बधाई संदेश प्रेषित किए है।

डॉ शंभू पंवार (विश्व रिकॉर्ड धारक)
अंतरराष्ट्रीय लेखक, पत्रकार-विचारक

प्यार है विवादों से

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी 2025: हमारे देश में ही नहीं पूरे विश्व में अलग अलग लोग, अलग अलग भेजे और अलग अलग शौक। इन सब की वजह से ही दुनियां रंगीन बनी हुई है। किसी को शांत रहना पसंद है तो किसी को बोलना इतना पसंद है कि वे नींद में भी मन की बातें बड़बड़ाते रहते हैं। मतलब यह कि यह दुनियां पंचमेल नवरत्न मिक्सचर की तरह है।

तब का इलाहाबाद और अभी का प्रयाग राज के भूतपूर्व सांसद फिल्मों के महानायक का एक फिल्मी संवाद है "हम जहां से खड़े होते हैं लाइन वहीं से शुरू होती है।" याद होगा सभी को।

लेकिन अब कुछ तीन चार वर्षों से एक संवाद अपरोक्ष रूप से मंडी हिमाचल प्रदेश की सांसद क्वीन का महसूस होता है "हम जहां होते हैं कंट्रोवर्सी यानी विवाद वहीं होती है क्योंकि हमें विवादों से मोहब्बत है।" इतने विवाद, इतनी मगजमारी और प्रचार का लंबा चौड़ा कैनवास बनाकर उन्होंने संसद में प्रवेश तो पा लिया लेकिन अकेली रह गईं।

छह उंगलियों वाले फिल्मी हीरो से रोमांस से लेकर नेपोटिज्म वंशवाद पर अपनी खतरनाक टिप्पणियां, विवादों में महाराष्ट्र की पूर्व सरकार को कोर्ट में घसीटना, आंदोलन करते किसानों पर ऊल जलूल टिप्पणियां, फलस्वरूप थप्पड़ का पुरस्कार उन सभी पुरस्कारों में शामिल हैं जिनमें अभिनय के राष्ट्रीय पुरस्कार हैं। ज्ञान का आख्यान ऐसा कि इस होड़ में बड़े भैया भी पीछे रह जाएं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जितनी इन सांसद महोदया ने ली है, और किसी ने नहीं लिया। जिन्होंने राजनीति में लाया और संसद में बिठाया उनके प्रमुख शौक "गड़े मुर्दे उखाड़कर पोस्ट मॉर्टम करना" को इन्होंने भी अपना लिया।

एक फिल्म बनाई बतौर निर्माता, निर्देशक, स्क्रिप्ट लेखिका और मुख्य अभिनेत्री के रूप में जो उनके विवादों के शौक को पूरा करते हुए विवादास्पद रूप से सेंसर में अटक गई। कई कट लगे फिल्म के अहम हिस्सों में, जिससे फिल्म किसी व्यक्तित्व की आलोचना के बदले उस व्यक्तित्व को उभारने में काम आई। एक राज्य ने, एक देश के कुछ प्रांतों ने, कुछ देशों ने फिल्म प्रदर्शन पर रोक लगाई। उस पर तुर्रा यह की फिल्म समीक्षकों ने फिल्म में एक ही चीज पसंद की इमरजेंसी की नायिका का बढ़िया और प्रभावी मेकअप। बाकी उनकी आवाज और अन्य चरित्रों की ऐसी समीक्षा कर डाली कि फिल्म देखने की रही सही इच्छा मर जाए।

राष्ट्रीय विवादों की नायिका को चाहिए कि जिस तरह पूर्व में केवल अपने अभिनय के आधार राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किए हैं, उसी तरह विवादों से दूर होकर सिर्फ अदाकारी पे तवज्जो दे। फिल्म बनाना, राजनीति उनके चाय की प्याली नहीं है। वरना अगली फिल्म का नाम होगा "मंडी की बबली विवादों की पगली।"

डॉ टी महादेव राव

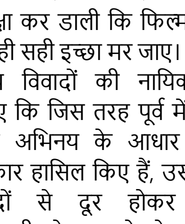

संजय वर्मा दृष्टि को उत्कृष्ट रचना हेतु प्रशस्ति पत्र

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी 2025: राष्ट्रीय दैनिक देशभक्ति मंच धार के द्वारा नवरात्रि पर काव्य संकलन मेरे राम तुमको नमन में उत्कृष्ठ काव्य लेखन हेतु मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष चेतन शर्मा देदला जिला धार द्वारा मनावर जिला धार मप्र के संजय वर्मा "दृष्टि" को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि संजय वर्मा

"दृष्टि" 50 वर्षो से निरन्तर रचनायें राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हो रही है। अभी तक 620 सम्मानों से सम्मानित किया जाकर, उनके निरंतर लेखन की उपलब्धियों पर वर्ल्ड ग्रेटेस्ट रिकॉर्ड में अलग अलग विधाओं में तीसरी बार दर्ज किया जा कर सम्मानित किया गया है।वर्तमान में स्टार बुक ऑफ रिकॉर्ड अंतराष्ट्रीय पर सम्मान प्राप्त है।

समाज की कड़वी सच्चाईयों को उजागर करती कविताएँ

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी 2025: आदरणीय कवि श्री नरेंद्र गौड़ जी की प्रतिष्ठित श्रृंखला "समकाल की आवाज" के अंतर्गत प्रकाशित चयनित कविताओं का संग्रह भारतीय डाक के माध्यम से प्राप्त हुआ। यह संग्रह समकालीन समाज की संवेदनाओं और साहित्यिक अभिव्यक्तियों को उजागर करने वाला एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है।

संग्रह की कविताएँ न केवल सरल और सहज भाषा में लिखी गई हैं, बल्कि गहन अर्थ और संवेदनशीलता से परिपूर्ण हैं। कवि ने प्रतीकों के माध्यम से जीवन की जटिलताओं, खुशियों और पीड़ाओं को प्रभावी रूप से व्यक्त किया है। इन प्रतीकों के सहारे आम जीवन के विशेष पक्षों को गंभीरता, निडरता और सजीवता के साथ प्रस्तुत किया गया है।

कविताओं में दैनिक जीवन के संघर्ष, सामाजिक संवेदना और समकालीन यथार्थ का मार्मिक चित्रण मिलता है। कवि ने अपने लेखन में एक सूक्ष्म यथार्थवाद और व्यंग्य का समावेश किया है, जो हमारे समाज की पारिवारिक और सांस्कृतिक संरचनाओं की गहन आलोचना करता है। इस संग्रह को पढ़ना न केवल साहित्यिक दृष्टि से समृद्ध करता है, बल्कि वर्तमान समाज के विविध पक्षों को भी नए दृष्टिकोण से देखने की प्रेरणा देता है।

उनकी कविताएँ भाषा की सहजता और गहराई के साथ पाठक के हृदय को छूती हैं। यह संग्रह विभिन्न विषयों और प्रतीकों के माध्यम से समाज और जीवन के विभिन्न पक्षों को उजागर करता है।

कविता संवेदना की ही अभिव्यक्ति होती है। उनकी "जन्म" कविता में दुख और संघर्ष का चित्रण हुआ है कवि कहता है: "मवेशी बांधने से बदतर जगह/ पैदा होते ही/ जानलेवा बीमारियों की गिरफ्त" यह बताता है कि गरीब और वंचित वर्ग किस तरह जन्म से ही संघर्ष और दुखों से घिरा होता है।

कवि की "उत्सव" कविता प्रकृति के सौंदर्य और सहज जीवन के उत्साह का प्रतीकात्मक चित्रण करती है। इसमें कवि ने साधारण गतिविधियों और प्राकृतिक तत्वों को मानवीय संवेदनाओं और उत्सवधर्मिता से जोड़ने का प्रयास किया है। इसमें एक जगह व्यंग्यात्मक प्रस्तुति भी दी है। "पथर मार/ श्वेत-शुभ्र बगुलों से कहा/ उड़िए श्रीमान!" यह व्यंग्यात्मक पंक्ति समाज के उस वर्ग की ओर संकेत करती है जो दूसरों को विचलित कर अपने आनंद की खोज करता है।

कवि नारी के संघर्षशील जवान को भी कविता में रेखांकित करते हैं। कविता "वह" में संघर्षशील नारी जीवन का सजीव चित्रण किया गया है। कविता की मुख्य भावभूमि नारी के श्रम, सहनशीलता और उसकी सामाजिक स्थिति को उजागर करती है। "नहा रही/ कुएं की जगत पर/वह मार खाई/ पीठ के निशान के साथ" - यह पंक्तियाँ एक श्रमशील स्त्री के संघर्ष और कष्टों को दर्शाती हैं। 'पीठ के निशान' उसकी पीड़ा और मेहनत के प्रतीक हैं।

'चन्दू की किताबें' कविता उस विडंबना को उजागर करती है, जहां 'किताबों' और

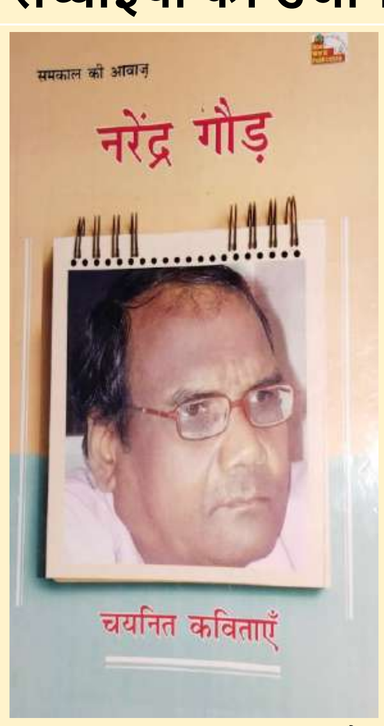

ज्ञान की महत्ता को कमतर आंका जा रहा है। कवि यह संकेत करता है कि हमारे समाज में विचारों और रचनात्मकता को पोषित करने की बजाय, उपभोक्तावादी संस्कृति और सतही सामग्री को प्राथमिकता दी जा रही है। 'अलादिनी चिराग' और 'जिन्न' जैसे रूपक यह दर्शाते हैं कि लोग सरल उपायों से सफलता पाने की चाहत रखते हैं, जबकि गहन अध्ययन और चिंतन उपेक्षित रह जाता है।

'हमशक्ल' कविता मनोवैज्ञानिक स्तर पर गहराई से काम करती है। "पूरे दो माह से/ गांव पैसे नहीं भेज सका/अनेक फोन आए/ इस बीच" इस पंक्ति में एक ऐसे व्यक्ति की छवि उभरती है जो अपने कर्तव्यों के निर्वहन में असमर्थ है और इसका बोझ उसके अवचेतन मन पर है। पिता की याद को "हमशक्ल" के माध्यम से प्रस्तुत करना इस मानसिक दुविधा का प्रतीकात्मक चित्रण है।

"उसकी एक रात" कविता में एक ऐसी महिला का चित्रण किया गया है, जो रात के सन्नाटे में अपने परिवार की आर्थिक स्थिति का हिसाब-किताब करती है। यह केवल एक महिला की कहानी नहीं है, बल्कि उन तमाम संघर्षशील महिलाओं का प्रतिनिधित्व करती है जो परिवार के आर्थिक संतुलन को बनाए रखने के लिए दिन-रात चिंतन में डूबी रहती हैं। "आज देर रात तक/ नहीं सायेगी वह/ अंधेरे में/ अपनी अंगुलियों की/ पोर गिनती।

बुदबुदाते रहेंगे ओंठ/ हिलती रहेंगी/ उसकी अंगुलियां/ नींद में।" कविता इस बात पर प्रकाश डालती है कि एक गृहिणी की भूमिका केवल घर संभालने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह पूरे घर की आर्थिक योजनाओं की धुरी है। "दूधवाले", "राशन", "गैस सिलेंडर", "किराना", "किताबें" जैसे शब्द कविता को एक ठोस यथार्थ के निकट रखते हैं और पाठक को सीधे उस महिला के संघर्ष से जोड़ते हैं।

कवि कविता में ग्रामीण जीवन की जीवंत तस्वीर खींचनें में कुशल है। "उसके उगने/ और डूबने के बीचः/ गोपी को बैल ले जाते/ गीता को घास काटते/ मंगल की मां को पिटते/ तिनसुखिया के बाप को/ उसके ब्याह का/ कर्ज मांगते देखा है।" कविता "उगने और डूबने के बीच" में सूरज के उगने और डूबने के बीच का समय मनुष्य के श्रम और संघर्ष से भरा हुआ है। यह समय न केवल सूरज के उगने और डूबने की प्रक्रिया को दर्शाता है, बल्कि मानव जीवन के उन छोटे-बड़े संघर्षों को भी रेखांकित करता है जो हर दिन होते हैं।

"लेकिन कविता थी वह" कविता के अंतिम हिस्से में, "आपको जन्म देने के बाद/ पता नहीं न जाने कहां चली गई/ किसी गीता रामायण कुरान/ महाभारत वेद पुराण से/ कई गुना बड़ी/ लेकिन कविता थी वह," यह पंक्ति माँ की भूमिका, और उसके श्रम को जीवन की सबसे महत्वपूर्ण और अमूल्य कविता के रूप में प्रस्तुत करती है। यह कविता हर माता के अनुभव और उसके त्याग, संघर्ष और सृजनात्मकता की प्रशंसा करती है, जिसे शास्त्रों या धार्मिक ग्रंथों से भी बड़ी माना गया है। यहाँ पर एक गहरी विचारधारा है जो मानवीय श्रम, त्याग और सृजन को सर्वोच्च काव्य रूप में प्रस्तुत करती है।

'आधार कार्ड से जोडों' कविता में कवि की पंक्तियां "उसे पेट से कभी नहीं जोड़ो, भूख गरीबी फटेहाली से भूलकर भी नहीं जोड़ो" — यह पंक्ति समाज में बढ़ती असमानताओं और आर्थिक विषमताओं की ओर इशारा करती है, जिनसे सत्ता प्रतिष्ठान मुंह चुराता है।

कवि नरेंद्र गौड़ का यह संग्रह साधारण जीवन की गहराइयों, संघर्षों और मानवीय संवेदनाओं का दर्पण है। उनकी कविताएँ न केवल समाज की असमानताओं और जटिलताओं को उजागर करती हैं, बल्कि मनुष्य की आंतरिक पीड़ा, संघर्ष और जिजीविषा को भी सार्थक अभिव्यक्ति देती हैं। कविताओं की सरल लेकिन गहरी भाषा, प्रतीकों और व्यंग्य के माध्यम से पाठक को सोचने पर मजबूर करती है। यह संग्रह समकालीन साहित्य में एक महत्वपूर्ण योगदान है, जो पाठकों को संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करता है।

नरेंद्र गौड़: चयनित कविताएं।
कवि - नरेंद्र गौड़
प्रकाशक - न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली - 110012
मूल्य - 175/-

समीक्षक - जितेन्द्र देवतवाल 'ज्वलंत'

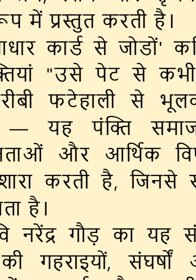

अब भारत सरकार भी यही करें तो बेहतर होगा

कोलफील्ड मिरर 29 जनवरी 2025: नये ट्रंप प्रशासन ने सत्ता में आते ही अपनी विदेश नीति को लेकर सारी दुनिया को चौंकाना शुरू कर दिया है। इस नई नीति के तहत अमेरिका सरकार के तहत आने वाली एजेंसी usaid ने बांग्लादेश में अपने विकास के कार्य रोकने के निर्देश दिए हैं। एजेंसी ने अपने सहयोगियों को निर्देश दिया हैं कि वे बांग्लादेश मे सभी प्रोजेक्ट, ठेके और ग्रांट को तुरंत बंद कर दें, कहा जा रहा है कि वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप बांग्लादेश में हो रहे अल्प संख्यकों विशेष करके हिंदू समुदाय एवं उनके मंदिरों पर लगातार हो रहे हमलो को लेकर काफी नाराज थे एवं जैसे ही अब चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने एवं राष्ट्रपति पद की शपथ विधि पूर्ण होने के बाद अब जब यह ट्रंप प्रशासन सत्ता में आया है उसने इस विषय में सत्ता में आते ही कड़ी करवाई करने का तुंरत फैसला कर लिया है, अतः हम भी आज इस कार्यवाही का दिल खोल कर स्वागत करते हैं। अब आज भारतीय बहुसंख्यक हिंदू समाज भी अपनी केंद्र सरकार से यही अपेक्षा रखता है कि वह भी अपने देश की ओर से बांग्लादेश प्रशासन को दी जा रही हर तरह की सहायता को शीघ्र बंद कर दे ताकि बांग्लादेश सरकार को इस बात का अफसोस हो सके कि आखिर क्यों उन्होंने अपनें देश में अल्प संख्यक हिंदुओं पर अत्याचार होने दिया, कारण बांग्लादेश में आज जो भी हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहा है उसके लिए सीधे-सीधे वहां का प्रशासन भी पूरी तरह से दोषी है। कारण अगर प्रशासन हिंदू अल्पसंख्यको पर अत्याचार समय पर ही रोक देता तो आज यह स्थिति नहीं आती कि उसे विदेशी मदद मिलना बंद हो जाती। यहां हम ट्रंप प्रशासन का हार्दिक धन्यवाद करते हैं जिन्होंने सत्ता में आते ही तुरंत बांग्लादेश पर करवाई को अंजाम दिया है। अब बांग्लादेश पर करवाई करने की अगली बारी भारत सरकार की है अतः उन्हें भी अपनी और से अब इस पर खरा उतर कर दिखाना चाहिए।

एमएम राजावत "राज"
न्यू रोड, शाजापुर